बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 120 | गुरुवार 22 अगस्त 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

सैनी सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने EC से की थी शिकायत

एजेंसी हरियाणा में स्टाफ सिलेक्शन कमीशन और पब्लिक सर्विस कमीशन की भर्तियों के परिणामों पर रोक लगा दी गई है। भारतीय चुनाव आयोग ने आदर्श आचार संहिता के चलते यह फैसला लिया है। दरअसल, हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर आगामी 1 अक्तूबर को मतदान होना है और 4 अक्तूबर को मतगणना की जाएगी। इस संबंध में कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी और मांग की थी चुनाव हो जाने तक भर्तियों के परिणामों पर रोक लगाई जाए। हरियाणा पुलिस में कांस्टेबल के 5600 पदों और टीजीटी और पीटीआई के 76 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पर चुनाव आयोग ने यह कार्रवाई की है। आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के संबंध में कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शिकायत दी थी। शिकायत के बाद आयोग ने राज्य सरकार से इस मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी, जिसकी जांच के बाद राज्य सरकार द्वारा दिए गए तथ्यों का पता लगने पर आदर्श आचार संहिता का भर्ती प्रक्रिया में कोई उल्लंघन नहीं मिला है। चुनाव आयोग ने पाया है कि भर्ती प्रक्रिया विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले शुरू की गई थी और चुनाव आचार संहिता के निदेर्शों के तहत हुई है, जहां वैधानिक अधिकारी अपना काम जारी रख सकते हैं। लेकिन समान अवसर बनाए रखने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसी को कोई अनुचित लाभ न मिले, आयोग ने निर्देश दिया है कि हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन और हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन के संबंधित अधिकारियों द्वारा इन भर्ती के परिणाम विधानसभा चुनाव के पूरा होने तक जारी नहीं किए जाएंगेवहीं, हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा था कि चुनाव आयोग द्वारा जारी नियमों के अनुसार जिन रिक्त पदों के लिए पहले से भर्ती चल रही हैं, उन्हें एचएसएससी और एचपीएससी

चुनाव आचार संहिता के बावजूद भर सकती हैं। भर्ती के विज्ञापन भी निकाले जा सकते हैं। इस संबंध में कांग्रेस की शिकायत आई थी, जिसे जवाब भेज दिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने माना कि विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद हुई कैबिनेट बैठक में लिए फैसलों के बारे में अभी तक सरकार की ओर से उनके पास कोई सूचना नहीं पहुंची है। जहां तक आईएएस और एचसीएस सहित अन्य अधिकारियों के स्थानांतरण का मामला है तो चुनाव आयोग की मंजूरी के बाद ही सरकार ने यह तबादले किए हैं। इसके अलावा, आईपीएस अधिकारियों के तबादला आदेश चुनाव की घोषणा से पहले जारी किए हो चुके थे।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क करें।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो. नं:-9911733939

SC-ST आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू किए जाने का विरोध करते दलित-आदिवासी संगठन

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के अनुसूचित जाति व जनजाति आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने की इजाजत देने के फैसले के विरोध में बुधवार को दलित-आदिवासी संगठनों ने 14 घंटे का भारत बंद का आह्वान किया है। नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी ऑर्गेनाइजेशन (NACDAOR) ने कोर्ट के इस फैसले को दलित और आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ बताया है। साथ ही मांग की है कि इस फैसले को वापस लिया जाना चाहिए।भारत बंद का सबसे ज्यादा असर बिहार में नजर आ रहा है। वहीं उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्यप्रदेश में भी पुलिस-प्रशासन अलर्ट है। भारत बंद में दलित व आदिवासी संगठनों के अलावा राजनीतिक पार्टियां भी समर्थन कर रही हैं। इनमें बहुजन समाजवादी पार्टी, समाजवादी पार्टी, भीम आर्मी, आजाद समाज पार्टी (काशीराम), भारत आदिवासी पार्टी, बिहार में राष्ट्रीय जनता दल, एलजेपी (R) और झारखंड में झामुमो समेत कई पार्टियों शामिल हैं। कांग्रेस ने भी बंद का समर्थन किया है। बिहार में भारत बंद के दौरान प्रदर्शनकारियों ने रेल पटरियों पर नारेबाजी की। इससे गाड़ियों की आवाजाही रुक गई। प्रदर्शनकारियों ने आरा और दरभंगा में ट्रेनें रोकीं। इसके अलावा जहानाबाद, सहरसा और पूर्णिया में हाईवे जाम कर दिया, जिससे आम लोगों को खासा परेशानी हो रही है। नवादा और छपरा समेत कई शहरों में नारेबाजी और प्रदर्शन जारी। पटना में प्रदर्शनकारियों द्वारा आगजनी और तोड़फोड़ की। शहर में डाकबंगला चौराहे बेरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने पहले वाटर केनन चलाई, फिर लाठीचार्ज की।राजस्थान के सवाई माधोपुर प्रदर्शनकारियों डंडे लहराते हुए नारेबाजी की। राज्य में जयपुर समेत 16 जिलों में स्कूल बंद हैं। अनहोनी की आशंका को देखते हुए भरतपुर में एहतियातन इंटरनेट बंद कर दिया गया है। अलवर में रोडवेज की बसों की आवाजाही भी रोक दी गई है। अजमेर और जोधपुर में प्रदर्शन जारी है। मध्य प्रदेश में महाकाल की नगरी उज्जैन में बाजार बंद कराने को लेकर दुकानदारों की प्रदर्शनकारियों से झड़प हुई। इसके अलावा, आज ग्वालियर में एहतियातन स्कूल बंद हैं। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में भारत बंद को लेकर प्रदर्शनकारियों ने रैली निकाली और नारेबाजी की। इसके अलावा, मुरादाबाद, मेरठ, कासगंज, एटा और बरेली में सुरक्षा व्यवस्था के कड़े प्रबंध किए गए हैं। गाजियाबाद और नोएडा में भारत बंद बेअसर रहा है। आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने SC-ST आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ भारत बंद का आह्वान किया है। पंजाब के फाजिल्का के बाजारों में भारत बंद का जरा भी असर नजर नहीं आया। यहां हर रोज की तरह ही बाजार और स्कूल खुले हैं। यातायात भी जारी है। यहां कई शहरों में एक पक्ष में बंद का आह्वान तो दूसरा भारत बंद का विरोध कर रहा है। इसे देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती की गई है।झारखंड की राजधानी रांची में भारत बंद के समर्थकों ने SC-ST आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ सड़क पर टायर जलाकर विरोध किया। राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा और झामुमो के लोग हाथों में बैनर लिए सड़क पर उतरे और नारेबाजी की।

『 सुविचार 』

संक्षिप्त समाचार

बिहार-झारखंड और ओडिशा में बंद का असर

नई दिल्ली । : 21 अगस्त 2024 यानी आज 'भारत बंद' के नाम से देशभर में हड़ताल का आह्वान किया गया है। यह एक राष्ट्रव्यापी हड़ताल है, जिसमें एससी / एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध किया जाएगा। आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति और राजस्थान के एससी / एसटी समूह इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बंद के आह्वान के बावजूद सरकारी कार्यालय, बैंक, स्कूल, कॉलेज और पेट्रोल स्टेशन खुले रहने की संभावना है। बसपा समेत कई पार्टियां इस बंद का समर्थन कर रही हैं।

SC की अपील के बाद काम पर लौटेंगे डॉक्टर्स?

एजेंसी, नई दिल्ली। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुई अत्याचार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई की। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने डॉक्टरों की सुरक्षा पर चिंता जाहिर की। साथ ही कोर्ट ने डाक्टरों को सुरक्षा का भरोसा दिलाते हुए उनसे समाज और मरीजों के हित में काम पर लौटने की अपील भी की। हालांकि, विरोध प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर्स काम पर वापस लौटने के मूड में नहीं दिख रहे। डॉक्टरों के निकायों में से एक ऑल इंडिया रेजिडेंट्स एंड जूनियर डॉक्टर्स ज्वाइंट एक्शन फोरम ने कहा कि भले ही कोर्ट के इरादे नेक हैं लेकिन यह हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को प्रभावित करने वाली मूल समस्याओं का समाधान नहीं करता है। हमारा मुद्दा है कि दशकों से स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को नजरअंदाज किया गया है।आरजी कर मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टरों ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वे फिलहाल एक कदम भी पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा जब तक इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट अपना फैसला नहीं सुना देती तबतक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।आईएमए ने एक केंद्रीय कानून की मांग की है जिसमें 2023 में महामारी रोग अधिनियम, 1897 में किए गए संशोधनों को शामिल किया जाए। आईएमए ने कहा कि अस्पतालों को अनिवार्य सुरक्षा अधिकारों के साथ अस्पतालों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा कर्मियों की तैनाती और प्रोटोकॉल का पालन किया जाना चाहिए।ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ हुई अत्याचार पर चिंता जाहिर करते हुए कोर्ट ने ममता सरकार, पुलिस और अस्पताल प्रशासन को लताड़ लगाई। वहीं, कोर्ट ने 14-15 अगस्त की रात अस्पताल में भीड़ के घुसकर उपद्रव करने और अस्पताल की इमरजेंसी व घटनास्थल तक पहुंच जाने पर राज्य पुलिस की नाकामी पर भी ममता सरकार को आड़े हाथों लेते हुए पूछा कि आपकी पुलिस क्या कर रही थी।इस मामले की जांच के लिए कोर्ट ने नेशनल टास्क फोर्स बनाने का आदेश दिया। कोर्ट ने 22 अगस्त को सीबीआई स्टेटस रिपोर्ट भी

तलब की है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कई सख्त टिप्पणी की है। सोशल मीडिया पर पीड़िता की पहचान उजागर किए जाने के मामले पर भी कोर्ट ने चिंता जाहिर की। कोर्ट ने पूछा कि पीड़िता की पहचान उजागर कैसे हुई?

केंद्र ने इलाहाबाद और आंध्र प्रदेश HC में कई अतिरिक्त न्यायाधीशों को किया स्थायी।

☛केंद्र ने इलाहाबाद और आंध्र प्रदेश HC में कई अतिरिक्त न्यायाधीशों को किया स्थायी

☛न्यायमूर्ति वेंकट ज्योतिर्मय प्रताप को आंध्र प्रदेश HC का स्थायी न्यायाधीश किया गया नियुक्त

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय और आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीशों के रूप में कई अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी। केंद्र द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, इलाहाबाद उच्च न्यायालय के नौ अतिरिक्त

न्यायाधीशों को स्थायी कर दिया गया है। कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि भारत के राष्ट्रपति और भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के बाद इलाहाबाद और आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालयों में अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीशों के रूप में नियुक्त किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक, इस नियुक्ति से न्यायालय के भीतर सभी के पद स्थायी हो गए हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि न्यायाधीश सैयद कमर हसन रिजवी, मनीष कुमार निगम, अनीश कुमार गुप्ता, नंद प्रभा शुक्ला, क्षितिज शैलेंद्र, विनोद दिवाकर, प्रशांत कुमार, मंजीव शुक्ला और अरुण कुमार सिंह देशवाल सहित कुल नौ न्यायाधीशों को इलाहाबाद हाई कोर्ट में स्थायी कर दिया गया है। ये सभी अतिरिक्त न्यायाधीशों के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। वहीं, न्यायमूर्ति वेंकट ज्योतिर्मय प्रताप को आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया है, जबकि न्यायमूर्ति वेणुथुरमल्ली गोपाल कृष्ण राव को भी आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय का स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। न्यायमूर्ति वेणुथुरमल्ली आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में काम कर रहे थे।

कोलकाता डॉक्टर हत्याकांड को लेकर आक्रामक हुई भाजपा

↳सुवेंदु ने कहा- मुख्यमंत्री के इस्तीफे से कम कुछ भी मंजूर नहीं।

↳पहले दिन बंगाल भाजपा के सभी बड़े नेता धरने में हुए शामिल।

कोलकाता। कलकत्ता हाई कोर्ट की अनुमति के बाद भाजपा की बंगाल इकाई ने आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म व हत्या की घटना के खिलाफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग पर बुधवार को कोलकाता के श्यामबाजार में पांच दिवसीय धरना-प्रदर्शन शुरू किया। धरनास्थल आरजी कर अस्पताल से करीब आधा

किलोमीटर दूर है। पहले दिन धरना में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व केंद्रीय राज्यमंत्री सुकांत मजूमदार, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष व राहुल सिन्हा सहित प्रदेश भाजपा के सभी बड़े नेता शामिल हुए। बंगाल में पार्टी के कई सांसद व विधायक भी धरने में शामिल हुए।इस मौके पर सुकांत व सुवेंदु ने ममता के अविलंब इस्तीफे की मांग करते हुए आरोप लगाया कि उनके शासन में राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर हो गई है। धरना मंच से अपने संबोधन में सुवेंदु ने स्पष्ट कहा कि इस बार मुख्यमंत्री के इस्तीफे से कम उन्हें कुछ भी मंजूर नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री का इस्तीफा नहीं होने तक आंदोलन और तेज करने की चेतावनी दी। सुवेंदु ने आरजी कर कांड के दोषियों को कठोर से कठोर सजा देने की मांग भी दोहराई। धरने में शामिल हुए बड़ी संख्या में भाजपा नेताओं व कार्यकताओं ने ममता के इस्तीफे की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की। यह धरना पांच दिनों तक चलेगा। सुकांत ने कहा कि मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग पर भाजपा का गुरुवार को स्वास्थ्य भवन घेराव अभियान भी है।बता दें कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को प्रदेश भाजपा को आरजी कर घटना के विरोध में पांच दिनों तक धरना प्रदर्शन करने की अनुमति दी थी। वहीं, राज्य सरकार ने अदालत से आग्रह किया था कि प्रदर्शन की केवल एक दिन के लिए अनुमति दी जाए, क्योंकि पांच दिन का धरना जनता के लिए असुविधा का कारण बन सकता है।

चिराग पासवान ने किया 'भारत बंद' का समर्थन

पटना। चिराग पासवान और उनकी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने भारत बंद को अपना नैतिक समर्थन दिया है। चिराग पासवान ने भारत बंद का समर्थन करने की वजह भी बताई। उन्होंने एक्स हैंडल पर लंबा-चौड़ा पोस्ट लिखा। हाजीपर के सांसद चिराग पासवान ने लिखा, SC-ST आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के विरोध में शांतिपूर्ण तरीके से भारत बंद के फैसले का मैं और मेरी पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) अनूसूचित जाति एवं जनजाति के पक्ष में नैतिक रूप से समर्थन करती है 'एनडीए सरकार शोषितों के विकास के लिए प्रतिबद्ध' उन्होंने आगे लिखा, प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाली केंद्र की एनडीए सरकार भी शोषितों और वंचितों के विकास के लिए प्रतिबद्ध रही है। विगत दिनों आदरणीय प्रधानमंत्री जी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट में यह फैसला किया गया था की जैसे बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी ने आरक्षण के प्रावधान रखे थे ठीक वैसे ही रहेगा। 'आरक्षण से छेड़छाड़ नहीं की जाएगी' केंद्रीय मंत्री पासवान ने भरोसा दिलाया कि आरक्षण से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ नहीं की जाएगी। इस फैसले का मैं और मेरी पार्टी स्वागत करती है। उन्होंने कहा कि मैं आश्वस्त करता हूं की जब तक मैं हूं तब तक आरक्षण में किसी भी प्रकार का बदलाव संभव नहीं है। श्रद्धेय रामविलास पासवान जी के सिद्धांतों पर चलने वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) दलितों के हक और अधिकार के लिए लड़ाई लड़ते रहेगी।

सरकारी नौकरियों में लैटरल एंट्री पर हंगामा गलत

डॉ. आर.के. सिन्हा

इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं। दरअसल यह तो कहना पड़ेगा देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष माखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी।

केन्द्र सरकार के विभिन्न विभागों में अहम पदों को संभालने के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हाल ही में लैटरल एंट्री या कहें कि पार्श्व प्रवेश के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों के चयन के लिए एक विज्ञापन अखबारों में निकलवाया था। इसी को लेकर देशभर में गैर-जरूरी हंगामा खड़ा हो गया या निहित स्वार्थ से भरे लोगों द्वारा खड़ा कर दिया गया था। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार में लैटरल एंट्री पर रोक लगा दी गई है। यूपीएससी से कहा गया है कि वो लैटरल एंट्री से नियुक्ति न करे। कार्मिक विभाग के मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन प्रीति सूदन को पत्र लिखकर कहा है कि इस नीति को लागू करने में सामाजिक न्याय और आरक्षण का ध्यान रखा जाना चाहिए।

बात बस इतनी सी थी कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने एक विज्ञापन जारी कर कहा था कि केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में वरिष्ठ पदों पर काम करने के लिए 'प्रतिभाशाली भारतीय नागरिकों' की तलाश है। इन पदों में 24 मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव के शामिल हैं, जिनमें कुल 45 पदों पर भर्ती होनी है। इस विज्ञापन के छपने के बाद कांग्रेस के नेता राहुल गांधी सबसे ज्यादा हंगामा काट रहे थे। कह रहे थे कि केन्द्र सरकार सरकारी विभागों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों को भर्ती करना चाहती है। हालांकि हमेशा की तरह राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए किसी तरह के प्रमाण देने की जरूरत तक नहीं महसूस नहीं की। वे वैसे भी राहुल गाँधी जी हवाई बातें-दावे करने में माहिर हैं।

काश, राहुल गांधी को यह पता तो होगा ही कि देश के दस सालों तक प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह को देश का वित्त सचिव तक लेटरल एंट्री के माध्यम से ही बनाया गया था। वह तो तब तक तो वे दिल्ली विश्व विद्लाय में पढ़ा रहे थे। इसी तरह से मंटेक सिंह आहलूवालिया को भी कांग्रेस सरकार ने ही योजना आयोग का चेयरमेन बना दिया था। उनकी नियुक्ति भी उसी तरह से हुई थी जिस तरह से डॉ मनमोहन सिंह की खुद की हुई थी। इसलिए यह कहना सरासर गलत है कि मौजूदा सरकार कुछ विभागों के लिए बाहरी अभ्यर्थियों को नौकरी देकर गलत कर रही है।

न जाने क्यों यूपीएससी के इस कदम ने नौकरशाही में लैटरल एंट्री पर बहस छेड़ दी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कुछ नेता कह रहे थे कि यूपीएससी की भर्ती की यह प्रक्रिया 'पीछे के दरवाजे से भर्ती' है। इसे अंग्रेजी में बैक एंट्री भी कहा जा रहा है। अब कांग्रेस के नेताओं से यह तो पूछा ही पूछा जाना चाहिए कि सैम पित्रोदा और रघुरामन राजन कौन थे? उन्हें किस आधार पर सरकार में लैटरल एंट्री के तहत ऊंचे पदों पर नौकरी दी गई थी?

अब जान लेते हैं कि लैटरल एंट्री होता क्या है? दरअसल नौकरशाही में लेटरल एंट्री का मतलब है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) जैसे पारंपरिक सरकारी सेवा कैडर के बाहर के व्यक्तियों को सरकारी विभागों में मध्यम और वरिष्ठ स्तर के पदों पर उनकी योग्यता और अनुभव के आधार पर भर्ती करना। इससे पहले लैटरल एंट्री के जरिए 2018 में पहली बार रिक्तियों की घोषणा की गई थी। लैटरल एंट्री करने वाले व्यक्तियों को आमतौर पर तीन से पांच साल के अनुबंध पर नियुक्त किया जाता है, जिसमें प्रदर्शन और सरकार की आवश्यकताओं के आधार पर विस्तार की संभावना होती है। इन व्यक्तियों से ऐसी विशेषज्ञता लाने की उम्मीद की जाती है जो शासन और नीति कार्यान्वयन में जटिल चुनौतियों का समाधान करने में मदद कर सके।

यूपीएससी के हालिया विज्ञापन से साफ था कि उसे तीन स्तरों पर योग्य उम्मीदवारों की तलाश थीः संयुक्त सचिव, निदेशक और उप सचिव। इन पदों पर तैनात अफसर अक्सर विभागों के भीतर विशिष्ट विंगों के प्रशासनिक प्रमुख या उनके सहायक के रूप में कार्य करते हैं और प्रमुख निर्णय लेने वाले होते हैं। लैटरल एंट्री के पीछे सरकार का तर्क यह रहा है कि नई प्रतिभा लाना और प्रशासन में कुशल जनशक्ति की उपलब्धता बढ़ाना।

आप गौर करें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जब बोलते हैं, वे तब सरकार को सदैव कोसते ही रहते हैं। लोकतंत्र में सदा स्वस्थ्य वाद-विवाद और सार्थक संवाद जारी रहना चाहिए। हमेशा ही बेवजह विवाद नहीं खड़े करने चाहिए। खडगे जी कह रहे हैं कि लैटरल एंट्री से सरकारी नौकरियों में हाशिए पर रहने वाले समुदायों को नुकसान होगा। राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को भी लैटरेल एंट्री पर आपत्ति है। अब इन ज्ञानी नेताओं को कोई बताए कि लैटरल एंट्री का विचार तो सर्वप्रथम कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार के दौरान ही विकसित किया गया था। लैटरल एंट्री पर महाभारत करने वालों को पता होना चाहिए कि यूपीएससी की भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी है।

इसलिए इस मसले पर विवाद खड़ा करने का कोई ठोस आधार नहीं है। ऐसा करने वाले संवैधानिक संस्थानों पर आघात कर रहे हैं। दरअसल यह तो कहना पड़ेगा देश में सियासत के संसार का माहौल बहुत विषाक्त हो चुका है। सरकार के हरेक कदम का विपक्ष माखौल उड़ाता रहता है या उसमें कमियां निकालने की कोशिश करता रहता है। अगर यही रणनीति विपक्ष अपनाता रहा तो सरकार अपना कोई काम कर ही नहीं सकेगी। यकीन मानिए कि विपक्ष से यह कोई नहीं कह रहा है कि वह सरकार को उसकी किसी जन विरोधी नीतियों पर न घेरे। अवश्य घेरे और उसकी जितनी चाहे निंदा करे। पर विपक्ष को सरकार के फैसलों की सोच-समझकर ही आलोचना करनी चाहिए। अगर उसने यह न किया तो उसकी जनता के बीच छवि तार-तार हो जाएगी और वह एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने से वंचित हो जायेगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

अस्पतालों में सुरक्षा

स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा के लिए कानून की मांग कर रहे रेजिडेंट डॉक्टरों के विरोध प्रदर्शन के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को केंद्र सरकार के अस्पतालों की सुरक्षा तैनाती में 25 फीसद वृद्धि को मंजूरी दे दी। कोलकाता के रेप और हत्या मामले में डॉक्टरों की हड़ताल से देश भर में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई हैं, और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़.रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मार्शलों की तैनाती को भी मंजूरी दी जा सकती है बशर्ते सुरक्षा समीक्षा में ऐसा किया जाना जरूरी लगे। हालांकि इस व्यवस्था से स्थिति में कोई ज्यादा अंतर नहीं आएगा क्योंकि पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड़, दिल्ली, हरियाणा, केरल समेत 26 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा के लिए पहले से ही कानून पारित किए जा चुके हैं। इसके बावजूद इन राज्यों में स्वास्थ्य पेशेवरों पर हमले जैसी घटनाएं बराबर रिपोर्ट होती रही हैं। वे भी तब जब इन सभी राज्यों में ऐसे अपराध सोंय और गैर-जमानती श्रेणी में हैं। जाहिर है कि अस्पतालों में सुरक्षा का मसला लापरवाही का है। सुरक्षा तैनाती और बढ़ाने से पहले यह भी ध्यान में रखना होगा कि अस्पताल 'सार्वजनिक सुविधाएं' हैं, इसलिए उन्हें किले में तब्दील नहीं किया जा सकता। कोलकाता रेप एवं हत्या मामले पर मंगलवार को अस्पताल और पुलिस प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट ने भी फटकार लगाई। स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कोलकाता घटना अपर्याप्त सुरक्षा की बजाय सुरक्षा व्यवस्था में चूक का मामला ज्यादा प्रतीत होता है। आरोपी जिस प्रकार पहले भी अस्पताल में बेरोकटोक आता-जाता देखा गया, उससे लगता है कि सुरक्षा अमला पर्याप्त चौकस नहीं था, अपने कार्य में शिथिलता और लापरवाही का रवैया अपनाए हुए था। यदि मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को ही अच्छे से चाक-चौबंद कर दिया जाए तो चिंता करने का कोई कारण नहीं बच रहेगा। बेशक, कोलकाता की घटना ने देश भर को झकझोर ड़ाला है, और ड़ॉक्टरों तथा स्वास्थ्य पेशेवरों का अपनी सुरक्षा को लेकर आंदोलित हो उठना स्वाभाविक है। उनकी मांग पर सरकार प्रोएक्टिव मोड़ में आ गई है, और सुरक्षा तैनाती में इजाफे को तत्पर है। लेकिन सुरक्षा अमले में लापरवाही का ढर्रा जारी रहा तो इस इजाफे का हासिल क्या होगा। जरूरी है कि सुरक्षा तंत्र को ज्यादा से ज्यादा कसा जाए और कार्य में लापरवाही पर जीरो टोलरेंस की नीति पर चला जाए।

चिंतन-मनन

चैन से सोना है तो सोने को कहें ना

सोने की चमक सभी को आकर्षित करती है। इसी आकर्षण के कारण लोग अधिक से अधिक सोना खरीदने चाहते हैं। यह चाहत तब और भी बढ़ जाती है जब सोने की कीमत में अचानक थोड़ी गिरावट आती है। लोग इस मौका का लाभ उठाना चाहते हैं। आज कल बाजार में यही स्थिति है क्योंकि सोने की कीमत कमी आयी है। आइए जानें सोने के बारे में हमारे शास्त्रों क्या कहा गया है। ज्यादातर पौराणिक ग्रंथों में इस बात को कई तरह से कहा गया है कि सोने की खरीदारी से जितनी खुशी नहीं होती है उससे अधिक चिंता बढ़ जाती है। हमेशा यह चिंता सताती है कि सोना चोरी न हो जाए। इसे कैसा संभालकर रखें। पड़ोसी की नजर सोने के गहनों पर नहीं जाए, क्योंकि नजर लग जाएगी।यह भी कहा जाता है कि किसी अवसर पर सोने के गहने पहन लें तो हमेशा इसी पर ध्यान रहता है कि कहीं गिर न जाए, कोई खींच न ले। इस चिंता के कारण उत्सव का पूरा आनंद भी नहीं उठा पाते हैं।

सोना सिर्फ आपको चिंतित ही नहीं करता है बल्कि आपकी सोच और व्यवहार को भी प्रभावित करता है। इससे अभिमान भी जन्म लेता है। यही कारण है कि रहीम ने लिखा है कनक कनक ते सौगुनी, मादकता अधिकाय। वा खाये बौराय नर, वा पाये बौराय।। इस दोहे में रहीम ने दो बार कनक शब्द का प्रयोग किया है। एक कनक धतूरे के लिए और दूसरा सोना के लिए। रहीम ने कहा है कि सोने का नशा धतूरे भी ज्यादा होता है। धतूरा खाने के बाद आदमी बौरा जाता है लेकिन सोने का नशा इतना तेज होता है कि इसे प्राप्त कर लेने मात्र से इंसान बौरा जाता है। पुराणों में कथा है कि कलियुग का प्रवेश भी सोने के माध्यम से हुआ था। कलियुग सोने में निवास करता है इसलिए सोने के कारण विवाद और रिश्तों में दूरियां तक आ जाती है। साधु पुरूष कहते हैं कि सोना चिंता का बड़ा कारण है। जब आप इसे पाने की सोचने लगते हैं तभी से चिंता आपके ऊपर हावी होने लगती है।

आलोचकों की परवाह न कर अपनी राह चलते हैं प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी में कुछ तो खास है कि वे अपने विरोधियों के निशाने पर ही रहते हैं। इसका खास कारण है कि वे अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं और लीपापोती, समझौते की राजनीति उन्हें नहीं आती। राष्ट्रहित में वे किसी के साथ भी चल सकते हैं, समन्वय बना सकते हैं, किंतु विचारधारा से समझौता उन्हें स्वीकार नहीं है। उनकी वैचारिकी भारतबोध, हिंदुत्व के समावेशी विचारों और भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की अवधारणा से प्रेरित है। यह गजब है कि पार्टी के भीतर अपने आलोचकों पर भी उन्होंने कभी अनुशासन की गाज नहीं गिरने दी, यह अलग बात है कि उनके आलोचक राजनेता ऊबकर पार्टी छोड़ चले जाएं। उन्हें विरोधियों को नजरंदाज करने और आलोचनाओं पर ध्यान न देने में महारत हासिल है। इसके उलट पार्टी से नाराज होकर गए अनेक लोगों को दल में वापस लाकर उन्हें सम्मान देने के अनेक उदाहरणों से मोदी चकित भी करते हैं।

किसी व्यक्ति की लोकतांत्रिकता उसकी अपने दल के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु उनका व्यवहार ह्यआलाकमानह्न सरीखा नहीं है। आप उन्हें तानाशाह भले कहें, किंतु तटस्थ विश्लेषण से पता चलता है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक उनकी आलोचना करने वाले अपने किसी साथी के विरूद्ध उन्होंने कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने दी। कल्पना करें कि किसी अन्य दल में अपने आलाकमान या सर्वोच्च नेता की आलोचना करने वाला व्यक्ति कितनी देर तक अपनी पार्टी में रह सकता है। नरेन्द्र मोदी यहां भी रिकार्ड बनाते हैं, जबकि भाजपा में अनुशासन को लेकर कड़ी कारवाई होती रही हैं। भाजपा और जनसंघ के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलराज मधोक से लेकर कल्याण सिंह, उमा भारती, बाबूलाल मरांडी, बीएस येदुरप्पा जैसे दिग्गजों पर कार्रवाई हुई है, तो गोविंदाचार्य पर भी एक कथित बयान को लेकर गाज गिरी। उन्हें अध्ययन अवकाश पर भेजा गया, जहां से आजतक उनकी वापसी नहीं हो सकी है। मोदी का ट्रैक अलग है। वे आलोचनाओं से घबराते नहीं और पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की छूट देते हुए अपने आलोचकों को भरपूर अवसर देते हैं।

यह कहा जा सकता है कि मोदी आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं, इसलिए इसकी बहुत परवाह नहीं करते हैं। वे कहते भी रहे हैं कि उनके निंदक जो पत्थर उनकी ओर फेंकते हैं, उससे वे अपने लिए सीढ़ियां तैयार कर लेते हैं। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों और निंदकों की पूरी फौज सामने आती है, जो तमाम मुद्दों पर उन्हें घेरती रही है। आश्चर्यजनक रूप से मोदी उनके विरुद्ध पार्टी के अनुशासन तोड़ने जैसी कार्रवाई ही भी नहीं होने देते हैं। इसमें पहला नाम गांधी परिवार से आने वाले वरुण गांधी का है, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने के बाद संगठन में महासचिव का पद दिया। वे सांसद भी चुने गए। किंतु पार्टी संगठन में उनकी निष्क्रियता से महासचिव का पद चला गया और वे मोदी के मुखर आलोचक हो गए। अपने बयानों और लेखों से मोदी को घेरते रहे। बावजूद इसके न सिर्फ उनको 2019 में भी लोकसभा का टिकट मिला, बल्कि आज भी वे पार्टी के सदस्य हैं। खुलेआम आलोचनाओं और अखबारों में लेखन के बाद भी उन्हें आज तक एक नोटिस तक पार्टी ने नहीं दिया है। हां, इस बार वे टिकट से जरूर वंचित हो गए। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को पीलीभीत से लोकसभा का टिकट मिल गया। जतिन जीत भी गए।

दूसरा उदाहरण फिल्म अभिनेता और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे शत्रुध्न सिन्हा का है। सिन्हा मोदी के मुखर आलोचक रहे और समय-समय पर सरकार पर टिप्पणी करते रहे। अंततः वे भाजपा छोड़कर पहले कांग्रेस, फिर तृणमूल कांग्रेस में चले गए। अब वे आसनसोल से तृणमूल के सांसद हैं। यही कहानी पूर्व केंद्रीयमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की है। उन्होंने भी मोदी विरोधी सुर अलापे और अंततः पार्टी छोड़कर चले गए। उनके पार्टी छोड़ने के बाद भी उनके बेटे जयंत सिन्हा को 2019 में भाजपा ने लोकसभा का टिकट दिया। जयंत सिन्हा मोदी सरकार में मंत्री भी रहे। इस बार जयंत का टिकट कट गया। ऐसे ही उदाहरणों में क्रिकेटर कीर्ति आजाद भी हैं। मोदी सरकार के विरुद्ध उनके बयान चर्चा में रहे, संप्रति वे तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं।

दिग्गज पत्रकार अरुण शौरी, अटल की सरकार में मंत्री रहे। उनका बौद्धिक कद बहुत बड़ा है। एक इंटरव्यू में अरुण शौरी ने कहा कि 'नरेन्द्र मोदी के बारे में उनके अधिकारी ही मुझे कहते हैं कि उनके सामने बोल नहीं सकते। मंत्री डरे हुए रहते हैं। कोई कुछ बोल नहीं पाता है उनके सामने। उनके सामने जाने और कुछ भी कहने से पहले लोग डरे रहते हैं और सोच समझकर बोलते हैं। हालांकि अटल जी की पर्सनालिटी ऐसी थी कि लोग उनसे अपनी बात कहना चाहते थे और वह सुनते भी थे। उनकी एक खास बात यह भी थी कि वह भी यह जानना चाहते थे कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। वह पूछा करते थे और लोग बिना किसी डर के बताते भी थे।' तीखी आलोचनाओं के बाद भी मोदी का उनके प्रति सौजन्य कम नहीं हुआ और वे शौरी की बीमारी में उन्हें देखने अस्पताल जा पहुंचे और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अरुण शौरी और प्रधानमंत्री मोदी के रिश्तों में उस समय सबसे ज्यादा खटास देखी गई, जब अरुण शौरी यशवंत सिन्हा के साथ राफेल मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर पहुंच गए। यहां पर उन्होंने मामले की जांच और सौदे पर सवाल उठाए थे । हालांकि सुप्रीम कोर्ट से सरकार को क्लीन चिट मिल गई। रिश्तों में आई खटास के बावजूद भी मोदी ने पुणे स्थित अस्पताल में अरुण शौरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के फोटो शेयर करते हुए लिखा- 'आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उनके साथ इस दौरान बहुत अच्छी बातचीत हुई। हम उनकी दीर्घायु और स्वस्थ्य जीवन की कामना करते हैं।'

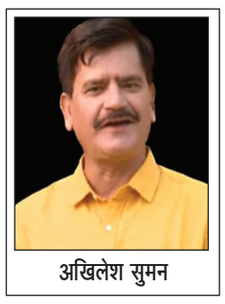

अपने तीखे तेवरों के चर्चित सुब्रमण्यम स्वामी कभी जनसंघ- भाजपा से जुड़े रहे। बाद में वे भाजपा से अलग होकर जनता पार्टी के अध्यक्ष बने। केंद्र में मंत्री भी बने। 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने स्वामी को राज्यसभा के लिए भेजा। स्वामी इससे कुछ अधिक चाहते थे। जाहिर है इन दिनों वे मोदी के प्रखर आलोचक बने हुए हैं। किंतु उनकी आलोचनाओं पर मोदी या भाजपा ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एक साक्षात्कार में स्वामी ने कहा कि 'मैं बीजेपी का हिस्सा हूं...मैं इनके साथ लंबे समय से साथ हूं। मुझे पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से भी दिक्कत थी लेकिन इतनी समस्या नहीं थी, जितनी कि पीएम नरेंद्र मोदी से है।'

भाजपा छोड़कर जा चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान को वापस लाकर मोदी ने उन्हें केरल के राज्यपाल पद से नवाजा। राज्यपाल के पद पर बैठकर मोदी की आलोचना करते रहे सतपाल मलिक को भी प्रधानमंत्री पद से नहीं हटाते, बल्कि कार्यकाल पूरा करने का अवसर देते हैं। जबकि राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और उस पद पर बैठे व्यक्ति को केंद्र सरकार की सार्वजनिक आलोचना से बचना चाहिए। किंतु सतपाल मलिक ऐसा करते रहे और मोदी उनकी सुनते रहे। इसी तरह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी नाराज होकर पार्टी से बाहर थे और अपनी पार्टी बनाकर सक्रिय थे। भाजपा ने मोदी के कार्यकाल में न सिर्फ उनकी पार्टी में वापसी सुनिश्चित की बल्कि उन्हें झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी दिया। नाराज होकर भाजपा दो बार छोड़ चुके कल्याण सिंह (अब स्वर्गीय) को राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया। उनके पुत्र राजबीर को लोकसभा का टिकट और पौत्र संदीप सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री का पद मिला।

-प्रो.संजय द्विवेदी

ग्लोबल साउथ को नेतृत्व की तलाशः कैसे होगा पूरा?

अखिलेश सुमन

दुनिया के विकसित देशों के लिए जी-7 जैसा एक प्रभावशाली संगठन है, जो वैश्विक नीतियों, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के मुद्दों पर गहन विचार विमर्श कर महत्वपूर्ण निर्णय लेता है। लेकिन विकासशील और पिछड़े देशों (जिन्हें ग्लोबल साउथ भी कहा जाता है) के लिए ऐसा कोई ठोस मंच नहीं है जहां वे अपनी आवाज बुलंद कर सकें और अपने हितों की रक्षा के बारे में चर्चा कर सकें। यह स्थिति ग्लोबल साउथ के देशों के लिए एक बड़ी चुनौती है।

ग्लोबल साउथ की चुनौतियाँ

ग्लोबल साउथ के देशों में अक्सर आर्थिक असमानता, बुनियादी ढांचे की कमी, भ्रष्टाचार और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी नेतृत्व का अभाव जैसी समस्याएं देखी जाती हैं।लोकतंत्र में अनावश्यक टकराव भी ग्लोबल साउथ की एक बड़ी चुनौती है। ये देश कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं, उन्हें जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा, और तकनीकी पिछड़ेपन जैसी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

वायस ऑफ ग्लोबल साउथ समिटः उम्मीद की एक किरण

भारत ने 17 अगस्त को तीसरे ह्यह्यवायस ऑफ ग्लोबल साउथ समिटह्नह्न का आयोजन किया, जिसमें विकासशील देशों के मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। इस समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 लाख अमेरिकी डॉलर के ग्लोबल डेवलपमेंट कॉम्पैक्ट की घोषणा की, जो इन देशों के विकास, क्षमता निर्माण, और तकनीकी साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण पहल है। इस शिखर सम्मेलन में 123 देशों के प्रतिनिधियों ने वर्चुअल माध्यम से शिरकत की। सबसे खास बात तो यह कि इसमें बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस भी शामिल हुए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि शामिल देशों के प्रतिनिधियों ने काफी शिद्दत से अपने विचार पेश किए और अपनी समस्याएं भी बताई। उन्होंने यह भी बताया कि इसमें टकराव भी नहीं दिख रहा था।

यह समिट ग्लोबल साउथ के लिए एक मजबूत नेतृत्व की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भविष्य में इन देशों के लिए एक प्रभावशाली मंच के रूप में उभर सकता है। इसके पहले भी भारत ने अपनी जी-20 की अध्यक्षता के दौरान की थी, एक जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले 12-13 जनवरी 2023 को और दूसरा जी-20 शिखर सम्मेलन के बाद 17 नवंबर को। भारत की कोशिश यह थी कि वो जी-20 में ग्लोबल साउथ की आवाज को पेश कर सके और शिखर सम्मेलन के बाद ग्लोबल साउथ के देशों को जी-20 शिखर सम्मेलन में क्या हुआ इसके बारे में बताए। पहले और दूसरे वायस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में 125 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

संगठन की जरूरत क्यों

विकसित देशों के प्रभावी संगठनों के मुकाबले, ग्लोबल साउथ के देशों के लिए भी एक मजबूत और प्रभावशाली संगठन की आवश्यकता है। इस संगठन के जरिए ग्लोबल साउथ के देश एकजुट होकर अपनी समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी आवाज को और मजबूत बना सकते हैं। यह संगठन ग्लोबल साउथ के देशों के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफार्म बन सकता है, जहां वे अपनी नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों को साझा कर सकते हैं और उनके क्रियान्वयन में सहयोग कर सकते हैं।

किसने ली पहल

अभी तक ग्लोबल साउथ को एकजुट करने के बारे में सिर्फ भारत ने पहल ली है। ग्लोबल साउथ के ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, रवांडा, श्री लंका सहित अन्य देशों को सामने आना पड़ेगा। इतिहास ने देखा है कि चीन और पाकिस्तान जैसे देश साझे मंचों पर अपनी अति स्वार्थ वाली बातों के अलावा सामूहिक चिंता में कोई सहयोग नहीं किया है और पाकिस्तान का काम हर संभव मंच पर भारत विरोध करना। लेकिन ग्लोबल साउथ के अन्य देश विकास, रोजगार और लोकतंत्र के लिए कराह रहे हैं। उन्हें जरूरत है वायस ऑफ ग्लोबल साउथ की।

अलग हैं गुटनिरपेक्षता और वायस ऑफ ग्लोबल साउथ

कुछ लोगों का मानना है कि ग्लोबल साउथ की बातों से मौजूदा दौर में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की झलक मिलती है। लेकिन दोनों में काफी फर्क भी है। जहां गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उद्भव शीत युद्ध के समय हुआ था, जब दुनिया दो ध्रुवों में बंटी हुई थी–एक तरफ अमेरिका के नेतृत्व में पूंजीवादी ब्लॉक और दूसरी तरफ सोवियत संघ के नेतृत्व में समाजवादी ब्लॉक–वहीं, ग्लोबल साउथ आज के जटिल वैश्विक परिदृश्य में अपनी प्रासंगिकता तलाश रहा है। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का उद्भव 1950 और 1960 के दशक में हुआ, जब कई देश उपनिवेशवाद से आजाद हुए थे और वे शीत युद्ध के दो ध्रुवों में से किसी एक के साथ जुड़ने से बचना चाहते थे। उनका उद्देश्य था कि वे स्वतंत्र रूप से अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सकें और वैश्विक राजनीति में अपनी स्वायत्तता बनाए रख सकें। इसके विपरीत, ग्लोबल साउथ का उद्देश्य ध्रुवों के पचड़े से अलग दुनिया के सभी ध्रुवों के साथ मिलकर अपने विकास, आवश्यकताओं और चिंताओं का निराकरण करना है।

जी-20 और ग्लोबल साउथ की प्रासंगिकता

जी20 ने ग्लोबल साउथ और विकसित देशों के बीच एक पुल बनाने की कोशिश की है, लेकिन यह पूरी तरह से ग्लोबल साउथ की आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता। इसकी सीमा इस तथ्य में निहित है कि यह संगठन न तो पूरी तरह से जी झ्र 7 के हितों का प्रतिनिधित्व कर सकता है, न ही ग्लोबल साउथ की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दे सकता है। इस कारण, ग्लोबल साउथ की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है, क्योंकि यह वह मंच है जहां विकासशील देश अपनी आवाज को पूरी ताकत के साथ उठा सकते हैं और अपने मुद्दों पर केंद्रित रह सकते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत बंद का सोनभद्र में दिखा असर को जिला मुख्यालय पर A.D.M को राष्ट्रपति के नाम बहुजन समाज पार्टी ने दिया ज्ञापन।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र। सुप्रीम कोर्ट के SC ST आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने के फैसले के खिलाफ दलित-आदिवासी संगठनों की ओर से बुधवार को भारत बंद का ऐलान किया गया। जिसका असर सोनभद्र में आंशिक रूप से देखने को मिला। जिला मुख्यालय में हजारों की संख्या में कई दलित आदिवासी संगठनों ने एकजुट होकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल जमकर नारेबाजी की। इस दौरान बसपा व आजाद हिंद जैसे संगठनों ने भागीदारी कर जमकर प्रदर्शन किया तानाशाही नहीं चलेगी जैसों नारे से कलेक्ट्रेट परिसर गूंजता रहा। एससी एसटी और ओबीसी की सुरक्षा की मांग को लेकर आज देश भर में पूरी तरह से बंदी की घोषणा के साथ दलित और आदिवासी प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी एससी एसटी और ओबीसी के रिजर्वेशन को लेकर दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले से नाखुश हैं। दलित और आदिवासी संगठनों का कहना है कि दलित, पिछड़ा वर्ग और आदिवासी समुदाय को हाशिए पर रखा गया है। उन्हें इसलिए सरकार से उन्हें न्याय दिलानें और मांगों को लेकर यह बंद घोषित किया गया है। सोनभद्र में प्रदर्शनकारी सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया फिर कलेक्ट्रेट में पहुंच कर राष्ट्रपति को नामित ज्ञापन दिया। भारत बंद के आह्वान के दौरान जिला अध्यक्ष बी सागर ने कहा कि मायावती जी के निर्देश पर सुप्रीम कोर्ट का जो एससी एसटी आरक्षण पर जो फैसला आया था उसके खिलाफ आज भारत बंद का आह्वान किया गया है। भारत बंद के समर्थन में जिला अधिकारी को राष्ट्रपति के नामित ज्ञापन दिया गया। सुप्रीम कोर्ट का जो फैसला आया है इसमें हमारे अधिकारों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है साथ ही हम सभी के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। हम लोगों के खिलाफ रणनीति के तहत बहुत बड़ी साजिश की जारी है। हमारे जो एससी एसटी के लोग हैं अभी तक इनको किसी तरह का फायदा नहीं मिल पाया। आने वाले समय में आरक्षण का लाभ बच्चे के लिए जरूरी है, आरक्षण समाज के सभी लोगों की जरूरत है। एक तरह से हमारे समाज के साथ बहुत बड़ा खिलवाड़ है और साजिश की जा रही है। बड़ी राजनीति की शिकार बनाये जा रहे है एससी एसटी के लोगों को। हम समाज विरोधी फैसले का विरोध करते है। वही एडीएम सहदेव मिश्रा ने बताया कि कुछ दिन पहले सर्वोच्च न्यायालय के की तरफ से आरक्षण के संबंध में फरमान जारी हुआ था। उसी को लेकर अलग-अलग समूह के लोगों ने जनप्रतिनिधियों के आह्वान पर इकठा लोगों ने ज्ञापन दिया। हालांकि गवर्नमेंट ने अपना स्टैंड क्लियर कर दिया है ऐसा कुछ नहीं करने जा रहे हैं। फिर भी भारत बंद का आह्वान किया गया। आंदोलन कर रहे समूहों का ज्ञापन प्राप्त कर लिया गया है। जिसे राष्ट्रपति को फॉरवर्ड किया जाएगा। मुख्यरूप से जिला अध्यक्ष बी सागर, पन्नालाल सोनभद्र प्रभारी, ओपी मौर्या, रामावतार चौहान, अविनाश शुक्ला, संजय कनौजिया, चंद्रकांत राव, दिनेश भारती, बलवंत रंगीला, पूर्व जिला अध्यक्ष कमलेश गौड़, कृष्ण कुमार गिरी उर्फ टाम बाबा, हीरालाल सायन, अंकुश राव, आदि उपस्थित रहे।

गोगपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन।

महामहिम राष्ट्रपति भारत सरकार को संबोधित 5 सूत्रीय मांगों का एडीएम को सौंपा ज्ञापन।

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता। सोनभद्र। भारत बंद के समर्थन में गोड़वाना गणतंत्र पार्टी (गोगपा) कार्यकर्ता बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित अपनी 5 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एडीएम को सौंपा। उधर आदिवासी आजादी मोर्चा कार्यकर्ताओं ने भी भारत बंद के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया। गोड़वाना गणतंत्र पार्टी के जिला प्रवक्ता एडवोकेट संतोष कुमार ने बताया कि भारत बंद के आह्वान पर समर्थन में कलेक्ट्रेट पर यह कार्यक्रम रखा गया। जिले भर के आदिवासी समाज के लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए हैं। उन्हों ने यह भी बताया कि भारत बंद के समर्थन में गोड़वाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष रामनरेश पोया की अगुवाई में जिले के आदिवासियों, वनवासियों के साथ कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा अपनी 5 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन पत्र महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित एडीएम को सौंपा गया। प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से नगेन्द्र सिंह श्याम, रीनू भारती, रामेश्वर उरेती, श्री राम टेकाम, विजय आयाम, जब्बर उरेती,महादेव मरकाम, अशोक कुमार कोल, रामजग खरवार, राजेंद्र खरवार आदि शामिल रहें। उधर आदिवासी आजादी मोर्चा तेंगुडाही, सोनभद्र के कार्यकर्ताओं ने भी मोर्चा के अध्यक्ष रामजतन खरवार के नेतृत्व में भारत बंद के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही बैठक कर अपनी मड़ास निकाली। मुख्य अतिथि गोड़वाना गणतंत्र पार्टी सोनभद्र के प्रवक्ता एडवोकेट संतोष कुमार ने भी भारत बंद का समर्थन करते हुए अपना विचार व्यक्त किया। इसके अलावा मोर्चा के सचिव रामजनम कुशवाहा, उपाध्यक्ष आनन्द खरवार ने भी अपना विचार व्यक्त किया। विरोध प्रदर्शन करने वालों में राजेश्वर खरवार, राजेंद्र खरवार,चन्दन प्रसाद, मेहर खरवार, राजकुमारी, महेश्वरी देवी, सुरसती देवी आदि शामिल रही।

संक्षिप्त डायरी

सफेद दाग से बचाएगा आयुर्वेद : डॉ राहुल आर्य

संस्कार उजाला

हरिद्वार के आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉ राहुल आर्य पिछले 10 वर्षों से आयुर्वेद चिकित्सा द्वारा जटिल बीमारियो का इलाज कर रहे है उन्ही में से त्वचा का एक रोग सफेद दाग जिसको मेडिकल भाषा में विटिलिगो या ल्योकोडरमा भी कहा जाता है । डॉ राहुल आर्य ने बताया की आज भारत में यह बीमारी बहुत तेजी से पैर पसार रही है जिसकी चपेट में बच्चों से लेकर बुजुर्गों में यह बीमारी पनप रही है । इस बीमारी में तीन साल से लेकर दस साल की उम्र के छोटे बच्चे आज कल ज्यादा दिखाई पड़ रहे है , जिसका विशेष कारण बच्चों का गलत खान पान अत्यधिक बेकरी प्रोडक्ट्स का सेवन , चॉकलेट , केक , पिज्जा सेवन , चिप्स , मसालेदार पापड़ इत्यादि है । विटिलिगो तब होता है जब मेलेनिन बनाने वाली कोशिकाएँ मर जाती हैं या काम करना बंद कर देती ।डॉ राहुल आर्य के अनुसार यह बीमारी ज्यादातर विरुद्ध आहार का सेवन करने एवं अनुवांशिकता भी इसका मुख्य कारण माना गया है । आयुर्वेद चिकित्सा में सफेद दाग का इलाज संभव है यदि रोगी पथ्य अपथ्य को ध्यान में रखते हुए इलाज लेते है तो विटिलिगो पर पूर्णतया सफलता मिलती है. डॉ राहुल आर्य ने बताया की आयुर्वेद चिकित्सा द्वारा सफेद दाग से मुक्त हुए काफी रोगियों का क्लिनिकल डाटा आज उनके पास सुरक्षित है । आयुर्वेद चिकित्सा में शमन एवं शोधन चिकित्सा द्वारा विटिलिगो/सफेद दाग पर पूर्णत काबू पाया जाता है । विटिलिगी के रोगियों को परहेज में ज्यादातर दूध और दूध से बनी चीजो का उपयोग नहीं करना चाहिए, मसालेदार भोजन , खट्टे पदार्थ , फास्ट फूड, जंक फूड, तला भुना, वनस्पति घी , अत्यधिक शीतल पेय जल , शराब , मांस, मदिरा , इत्यादि चीजों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए । ऐसे रोगियों को चाहिए कि समय रहते इसके शुरूआती लक्षणों को ध्यान में रख अनुभवी आयुर्वेदिक चिकित्सक के सुझाव पूर्ण इलाज ले ।

भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति के नाम थाना प्रभारी को सौंपा आरक्षण में वर्गीकरण को लेकर ज्ञापन

संस्कार उजाला

सहारनपुर छुटमलपुर

छुटमलपुर भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी कार्यकर्ताओं ने पार्टी चीफ व सांसद चंद्रशेखर आजाद के आह्वान पर एससी आरक्षण में सर्वोच्च न्यायलय द्वारा क्रीमिलेयर लगाने व वर्गीकरण करने के आदेश के खिलाफ राष्ट्रपति के नाम थानाध्यक्ष फतेहपुर धर्मेंद्र सिंह को ज्ञान सौंपा। भीम आर्मी के संरक्षक सतीश कुमार के नेतृत्व में कस्बे की हरिजन कॉलोनी स्थित छप्पर हाउस में एकत्रत हुए कार्येकर्ताओं ने तय समय पर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने वालों में आसपा के विधिक सलाहकार अधिवक्ता संदीप काम्बोज, सांसद के कार्यों को देख रहे नितिन बंसल, दानिश गौड, फिरोज खान, जिला उपाध्यक्ष विनोद पेगवाल, दानिश हयात व सुबोध कुमार आदि मौजूद रहे

संक्षिप्त डायरी

विकास खण्ड स्तरीय खरीफ कृषि निवेश/जैविक किया गया मेला आयोजित

संस्कार उजाला

मीरजापुर - विकास खण्ड स्तरीय खरीफ कृषि निवेश/जैविक मेला विकास खण्ड पटेहरा के परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक मड़िहान रमाशंकर पटेल द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। विधायक द्वारा उपस्थित कृषकों को सम्बोधित करते हुए धान की खरीद पर चर्चा तथा समर्थन मूल्य के बारे में भी चर्चा की गयी तथा सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं यथा- वृद्धावस्था पेंशन, आवास योजना, आयुष्मान कार्ड इत्यादि के बारे में बताया गया। उप कृषि निदेशक विकेश कुमार द्वारा विभाग में चल रही योजनाओं यथा- पी0एम0 किसान, प्रधानमंत्री फसल बीमा, पी0एम0 कुसुम योजना, एग्री जंक्शन व कृषि यंत्रीकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। डा0 सुधीर श्रीवास्तव, जनपद सलाहकार द्वारा श्रीअन्न की खेती के बारे में तथा उनसे होने वाले लाभों के बार में भी बताया गया साथ ही कृषकों को जैव उर्वरक के महत्व व उसके प्रयोग की विधि पर विस्तार से चर्चा की गयी। स्वायल लैण्ड यूज सर्वे आफ इण्डिया, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली से आये हुए वैज्ञानिक डा0 एस0एन0 सिंह द्वारा धान के फसल में लगने वाले कीड़ो से बचाव के तरीकों के बारे में बताया गया तथा कीड़ों से बचाव हेतु रीजेन्ट दवा 1 किग्रा0 प्रति हेक्टेयर में छिड़काव करने की सलाह दी गयी कार्यक्रम में उपस्थित प्रगतिशील कृषक श्री योगेन्द्र सिंह द्वारा उपस्थित किसानों को जैविक खेती व प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी कि कैसे वह प्राकृतिक/जैविक खेती अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकते है। साथ सजीव प्रयोग भी करके दिखाया गया। श्री विवेक कुमार, व0प्रा0सहा0 ग्रुप-ए द्वारा उपस्थित कृषकों को कृषि से सम्बन्धित समसामयिक जानकारी के साथ ही कृषि रक्षा कीटनाशक दवाओं के बारे में भी बताया गया। पंकज मिश्रा, व0प्रा0सहा0ग्रुप-बी द्वारा कार्यक्रम का संचालन करते हुए उपस्थित कृषकों को मृदा स्वास्थ्य को सही रखने के सम्बन्ध मे व मृदा नमूना लेने के तरीको के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के अंत में विधायक मड़िहान द्वारा उपस्थित 10 कृषकों यथा- कमलेश, यमुना, बाबूलाल, कृपाशंकर, चन्द्रबली, राजेश, सूर्यनाथ, रमाशंकर व बद्री को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन संतोष कुमार कुशवाहा, स0वि0अ0(कृषि) द्वारा किया गया। आयोजित खरीफ गोष्ठी में कृषि विभाग, बीमा कम्पनी व अन्य विभागों द्वारा अपने स्टाल लगाये गये। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य मनीष कुमार सिंह, खण्ड विकास अधिकारी व कृषि विभाग के अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कमीशन के होड में बिलो रेट पर ठेकेदारों द्वारा डाले जा रहे टेंडर बार-बार निरस्त करने का जिम्मेदार कौन?

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

डाला/सोनभद्र - कमीशन की होड़ विकास में बाधक , की कहानी चरितार्थ होने लगी, वही नगरपंचायत में कमीशन का चक्कर विकास में बाधक बन गया। लगातार वार्ड 2,4,10 में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के तहत हुए टेंडर प्रक्रिया में बदलाव से नगर वासी सुविधाओ की राह देख रहे है। लगभग 6 माह से ज्यादा समय बीतने को चले फिर भी नगरपंचायत डाला बाजार में टेंडर प्रक्रिया का निष्कर्ष नही निकल सका। जिन कार्यों को टेंडर में समय दिया जाता रहा है कि कार्यों की गुडवत्ता की देख रेख 3 से 5 साल तक यदि कार्यों में दिक्कत आयी तो देख रेख सम्बन्धित फर्म द्वारा कराया जाएगा। लेकिन कमीशन के होड़ में इसकी कोई अवश्यकता नजर नही आयी। जानकारी के अनुसार नगरपंचायत - डाला बाजार में जिन फर्म के ठेकेदारों द्वारा विकास कार्यों के टेंडर यदि 18% से 20% बिलो रेट पर डाला गया हो तो, जिम्मेदार टेंडर ही निरस्त कर दे रहे। ऐसे में नगरपंचायत चर्चाओ और सुर्खियों का बाजार गर्म किये हुए है। नगर पंचायत के वार्ड 2,4,10 में दिनांक 18/6/2024 को हुई टेंडर जो बार-बार निरस्त कर दिया गया। जिसका कारण स्पस्ट नही किया जा रहा। वही स्थानीयों ने बताया कि जब तक कमीशन का रास्ता साफ नही हो जाता किसी प्रकार का टेंडर स्वीकार नही किया जाएगा। ऐसे में वगैर टेंडर के ही विज्ञप्ति अखबारों में निकाल अपने शुभचिंतकों द्वारा कुछ चिन्हित कार्यों को कराने का प्रयाश जारी हैं। जिस पर स्थानीयों ने जम कर विरोध किया। स्थानीय नगरवासियों ने जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराना चाहा है कि नगरपंचायत डाला बाजार में बाहरी टीम गठित कर जांच कराने व विधिक कार्यवाही करने की कृपा करें ।

पुलिस भर्ती परीक्षा स्टैटिक मजिस्ट्रेट में हुआ आंशिक बदलाव

संस्कार उजाला

डॉ0सै0अब्दुल खबीर बहराइच । उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस के पदों पर सीधी भर्ती-2023 हेतु 23 से 25 अगस्त व 30 एवं 31 अगस्त 2024 को दो पालियों में सम्पन्न होने वाली की लिखित परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, सुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती हेतु पूर्व में निर्गत आदेश में आंशिक संशोधन कर दिया गया है। डीएम मोनिका रानी द्वारा जारी संशोधित आदेश के अनुसार परीक्षा केन्द्र राजकीय पॉलीटेक्निक आसाम चौराहा, बहराइच हेतु पूर्व में नामित स्टैटिक मजिस्ट्रेट नायब तहसीलदार फखरपुर बृजेश कुमार की माता जी का आकस्मिक निधन हो जाने के फलस्वरूप श्री कुमार के स्थान पर सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी चितौरा अरूण कुमार वर्मा को स्टैटिक मजिस्ट्रेट नामित किया गया है।

16 व्यक्तियों के बैंक खातों में भेजी गई रू. 22.215 लाख की सहायता राशि

संस्कार उजाला

डॉ0सै03अब्दुल खबीर बहराइच जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि विभिन्न आपदाओं अन्तर्गत 21 अगस्त को तहसील महसी अन्तर्गत 03 व्यक्तियों के खातों में गृह अनुदान/अहैतुक सहायता (जनहानि) के रूप में रू. 9.04 लाख, नानपारा में 05 व्यक्तियों के खातों में गृह अनुदान/अहैतुक सहायता (जनहानि) एवं पशु सहायता के रूप में रू. 8.495 लाख, पयागपुर में 03 व्यक्तियों के खातों में गृह अनुदान के रूप में रू. 12 हजार, मिहींपुरवा में 02 व्यक्तियों के खातों में अहैतुक सहायता (जनहानि) तथा गृह अनुदान के रूप में रू. 4.08 लाख तथा तहसील कैसरगंज अन्तर्गत 03 व्यक्तियों के खातों में गृह अनुदान सहायता/पशु सहायता के रूप में रू. 48 हजार इस प्रकार 16 व्यक्तियों के बैंक खातों में रू. 22 लाख 21 हजार 500 की सहायता राशि हस्तान्तरित की गई है।

राष्ट्रीय न्यायिक आयोग बहाल कर आरक्षण को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करे. राहुल भारती

संस्कार उजाला

सहारनपुर. समाजवादी पार्टी के मुखिया व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आज भारत बंद आन्दोलन का समर्थन किया व जिला प्रशासन के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम सम्बोधित ज्ञापन भेजा गया।अनुसूचित जाति में क्रीमीलेयर व उपवर्गीकरण के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का विरोध करते हुए सपा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० राहुल भारती के नेतृत्व में जबरदस्त प्रदर्शन कर जिलाधिकारी सहारनपुर को ज्ञापन दिया गया। विनोद विहार स्थित अपने आवास से जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च कर कलेक्ट्रेट पहुंचे प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए डॉ० राहुल भारती ने कहा कि देश में जातिगत जनगणना कराकर एससी एसटी ओबीसी को उनकी आबादी के अनुसार राज्य की सेवा में नियुक्ति एवं पदोन्नति में आरक्षण दिया जाए तथा एससी एसटी ओबीसी का केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की नौकरियों में तत्काल बैकलॉग की गणना कराकर उन भर्तियों में उन जातियों का विशेष ध्यान रखा जाए जिन जातियों को अभी तक आरक्षण का लाभ नहीं मिला। उन्होने कहा कि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय न्यायिक आयोग विधेयक 2022 को बहाल कर आरक्षण को तत्काल संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाए।सपा जिलाध्यक्ष चौधरी अब्दुल वाहिद ने कहा कि भाजपा सरकार आरक्षण को समाप्त करना चाहती है तथा उनकी नियत और नीति साफ दिख रही है समाजवादी पार्टी संविधान बचाने वालों के साथ है उन्होंने न्याय हित में तुरंत इन मांगों को लागू किया करने की गुजारिश की। पूर्व सांसद हाजी फजलुर्रहमान ने कहा कि समाजवादी पार्टी इस मांग को लगातार उठा रही है और वर्तमान में अखिलेश यादव का ढऊआ का नारा देश को मजबूती प्रदान करता है। पूर्व विधायक ठाकुर विरेन्द्र सिंह ने कहा की जनहित में केंद्र सरकार तुरंत अध्यादेश लाकर अनुसूचित जाति जनजाति की सुरक्षा व रक्षा करें।इस मौके पर विशेष आमंत्रित सदस्य इसरार चौधरी, फैसल सलमानी, सलीम अख्तर, अब्दुल गफूर, सैयद हसन, हसीन, प्रकोष्ठ के कोषाध्यक्ष जयकुमार, राष्ट्रीय सचिव मुकेश लाम्बा, राष्ट्रीय सचिव संजीव नौटियाल एडवोकेट, सपा महिला सभा की प्रदेश सचिव सुरैया खान, सपा एससी प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय सचिव मंजू रानी, सपा नेता चौधरी पार्षद मौहरम अली पप्पू, पार्षद नूर आलम, अंजू रानी, काशिफ अल्वी, हसीन कुरैशी, आकाश चौहान, सपा छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव राजीव भारती, एससी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र नौटियाल, हिना सिद्दिकी, अर्जुन कुमार, निशांत शर्मा व फहीम खान समेत आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहें।

ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज की इकाई के पदाधिकारियो ने एक बैठक का आयोजन किया

बैठक में दो राज्य के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष को सम्मानित किया

संस्कार उजाला

उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री धर्म सिंह सैनी के आवास पर ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज की इकाई उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्षों की अगवाई में बैठक का आयोजन किया गया बैठक में मुख्य रूप से उत्तराखंड राज्य से तथा उत्तर प्रदेश राज्य से ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज की इकाई के पदाधिकारियो ने शिरकत की बैठक में वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री धर्म सिंह सैनी को मनोनीत किया गया और इस दौरान पदाधिकारियों ने उनको स्मृति सिंह देकर सम्मानित भी कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री धर्म सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में दूसरी बार भी नायाब सिंह सैनी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाया जाएगा और दोनों राज्य की टीम अभी से धरातल पर कार्य करना शुरू कर दे दोनों राज्यों की टीम हरियाणा राज्य में कमल को खिलाने के लिए अपने स्तर से टीम को गठित कर गांव -गांव व नगर- नगर तथा घर-घर जाकर बूथ अस्तर के कार्यकताओं को साथ लेकर हर घर में जाकर भारतीय जनता पार्टी की रीति व नीति का गुणगान करते हुए वोटरों को समझाया जाएगा की भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है जिसमें सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास है के नारे पर विकास कार्य करती है भाजपा जो कहती है वह करती भी है कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष ओमपाल सैनी तथा उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष नरेश सैनी ने कहा कि हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि हमारी टीम हरियाणा राज्य में युद्ध स्तर पर कार्य करेगी और सफल होकर दिखाएंगे तथा हरियाणा में फिर से कमल खिलेगा यह हमारा वादा है कार्यक्रम में मुख्य रूप से उत्तराखंड से राजेश सैनी प्रमोद सैनी प्रदीप सैनी सुरेश चंद सैनी उत्तर प्रदेश से जिला अध्यक्ष डॉ ऋषिपाल सैनी जिला उपाध्यक्ष कर्म सिंह सैनी, विक्रम सिंह सैनी, सुनीता सैनी, भारतीय किसान यूनियन क्रांति की प्रदेश अध्यक्ष ऋतु सैनी, भोपाल सैनी, स्वदेश सिंह सैनी, इंजीनियर बीपी सिंह सैनी, खेमचंद सैनी, भानु प्रताप सैनी, अमित सैनी ,अंकित सैनी, हर्ष कुमार सैनी, प्रियांशु सैनी, सोनू सैनी आदि सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे

राष्ट्रीय विद्यापीठ इंटर कॉलेज के छात्रों ने कबड्डी में प्रतिभाग किया

संस्कार उजाला

सहारनपुर छुटमलपुर

प्रदेश सरकार द्वारा चलाए गए खेल कार्यक्रम में तहसील स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता ए एच पी इंटर कॉलेज छुटमलपुर में आयोजित की गई जिसमें राष्ट्रीय विद्यापीठ इंटर कॉलेज छुटमलपुर के छात्रों ने भी कबड्डी में प्रतिभाग किया टीम के 14 खिलाड़ियों में से 9 खिलाड़ियों का चयन जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में हुआ विद्यालय के लिए अति हर्ष व गर्व का विषय है इसमें विद्यालय के पी टी आई श्री सुरेंद्र चौधरी जी का बहुत बड़ा योगदान रहा है चयनित खिलाड़ियों में कप्तान तेजस कुमार आर्यन शर्मा, आर्यन कंबोज ,सुभान मयंक ,शिवम शांतनु ,हर्षित ,अंशुल का चयन हुआ विद्यालय कि प्रबंध समिति वह विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं इन सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है और इनको हार्दिक शुभकामनाएं देता है

नागल खंड विकास कार्यालय में भाकियू तोमर की मासिक बैठक हुई संपन्न

बैठक में मिल द्वारा गन्ना भुगतान व आवारा पशुओं का मुद्दा उठाया

संस्कार उजाला

नागल सहारनपुर

अजय त्यागी नागल। बुधवार को खंड विकास कार्यालय के सभागार में भाकियू तोमर के कार्यकताओं के मासिक बैठक में गन्ना भुगतान, छुट्टे पशुओं, कस्बे के रेलवे रोड पर बढ़ता अतिक्रमण तथा बस अड्डे पर महिला शौचालय जैसे मुद्दों को लेकर उन्होंने पांच सूत्रीय ज्ञापन खंड विकास अधिकारी असलम प्रवेश को सौपा। बैठक को संबोधित करते हुए संगठन की युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष सौरभ त्यागी ने कहा कि क्षेत्र की बजाज हिन्दुस्थान शुगर मिल किसानों के गन्ने का भुगतान न करने के कारण आज क्षेत्र का किसान आर्थिक तंगी की मार झेलते हुए आत्महत्या करने को मजबूर हो रहा है उन्होंने शुगर मिल को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वह शीघ्र ही किसानों के गन्ने का भुगतान नहीं करती तो संगठन बड़ी पंचायत कर मिल गेट पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगा तथा उन्होंने रेलवे रोड पर बढ़ते अधिकरण एवं स्कूलों की छुट्टी के समय बढ़ते मनचलो संख्या के प्रति भी थाना प्रभारी निरीक्षक को अवगत कराते हुए लगाम लगाने की मांग की एवं उन्होंने कस्बे के बस अड्डे पर महिला शौचालय न होने कारण खंड विकास अधिकारी से शौचालय बनवाने की मांग की उन्होंने बढ़ते आवारा पशुओं की संख्याओं से दिन प्रतिदिन सड़क दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही है इन पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन को ज्ञापन भी दिया। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष सुंदर पाल, चंद्रपाल, अब्दुल वहाब, नौशाद अली, उस्मान, सरवन शर्मा, नीरज राणा, मोहसिन, मुंसाद, जावेद, बिजेंदर, अरुण कुमार आदि मौजूद रहे।

शिक्षक नेता रजनीश चौहान ने किया विद्यालयों का भ्रमण

संस्कार उजाला

सहारनपुर छुटमलपुर

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संगठन चेतनारायण गुट के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ शिक्षक नेता रजनीश चौहान के नेतृत्व में सुखपाल सिंह शर्मा नीरज मिश्रा एवं राजवीर सिंह यादव ने छुटमलपुर क्षेत्र के अनेक स्कूलों का भ्रमण किया और उन्होंने शिक्षकों की धरातल स्तर पर समस्याओं को जाना अपने संबोधन में रजनीश चौहान ने कहा कि अब समय आ गया है जब शिक्षक को अपने हितों के लिए जागृत होना पड़ेगा जिसमें सभी शिक्षकों के सहयोग की नितांत आवश्यकता है साथ ही भविष्य में शिक्षकों की समस्याओं से निजात दिलाने में भी उन्होंने कभी पीछे न हटाने की बात कही भ्रमण के दौरानअल्हद इंटर कॉलेज, राष्ट्रीय विद्यापीठ इंटर कॉलेज, शहीद स्मारक इंटर कॉलेज फतेहपुर, इंटर कॉलेज टैंको सुंदरपुर, जय जनता इंटर कॉलेज दामोदराबाद आदि स्कूलों में घूम कर शिक्षकों से संवाद किया

गाजियाबाद जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति एवं जिला निगरानी समिति की बैठक आयोजित

कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले अधिकारी/कर्मचारी से लिया जाए स्पष्टीकरण : जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह जिला कार्यक्रम अधिकारी को किया निर्देशित, कहा : कार्य में कोताही बरतने वालों पर करें सख्त कार्यवाही, योजनाओं एवं लक्ष्य में कार्य हो शत-प्रतिशत पूर्ण

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। (आशा चौधरी)

महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति एवं जिला निगरानी समिति की बैठक आहूत हुई।जिलाधिकारी के द्वारा बाल विकास परियोजना लोनी में पोषण ट्रैकर पर बच्चो का वजन कम फीड किये जाने पर रोष व्यक्त किया गया तथा आगामी माह में वजन शतप्रतिशत किये जाने हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही जनपद में सैम बच्चो का चिन्हांकन कम किये जाने तथा ई-कवच पोर्टल पर बच्चो की एन्ट्री न होने पर अपर मुख्य चिकित्साधिकारी तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी पर रोष व्यक्त किया गया। जिलाधिकारी, महोदय के द्वारा बैठक में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये गये कि सभी 07 माह से 05 वर्ष के बच्चो को आई0एफ0ए0 सीरप का वितरण कराये साथ ही शहरी क्षेत्र के स्कूलो में गुलाबी एवं नीली आयरन की गोलियो का वितरण प्रत्येक बच्चो को करायें, एवं 361 सैम बच्चो में से कम जटिलता वाले है उन बच्चो को आवश्यक 05 दवाईयॉ (आयरन सीरप,

एमोक्सीसिलीन, फोलिक एसिड, विटामिन ए एवं मल्टाविटामिन) ए0एन0एम0 के माध्यम से उपलब्ध करायें, एवं आख्या आगामी बैठक में प्रस्तुत करें। शहरी क्षेत्रो में हॉट कुक्ड फूॅड बर्तन न होने के कारण वितरण किया जाना सम्भव नही हो पा रहा, जिसके सम्बन्ध में जिलाधिकारी महोदय द्वारा दूरभाष पर नगर आयुक्त महोदय से वार्ता की गई, नगर आयुक्त महोदय के द्वारा जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया गया कि बर्तन क्रय करने हेतु कार्यवाही की जा रही है। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह को जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वार कार्यो की प्रगति की रिर्पोट प्रस्तुत की गई, कार्यो की प्रगति रिर्पोट में लक्ष्य के सापेक्ष कार्य ना होने से जिलाधिकारी महोदय ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी शशि वार्ष्णेय को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने अधीनस्थ अधिकारी, कर्मचारियों के कार्यों की हर सप्ताह किए गये कार्यों की रिर्पोट लें और मुझे उससे अवगत कराएं, यदि किसी अधिकारी, कर्मचारी द्वारा कार्य में लापरवारी, असंवेदनशीलता, कोताही बरती जा रही है तो उसके नोटिस देते हुए स्वष्टीकरण लिया जाए। यदि किसी को अपने कार्य या लक्ष्य के बारे में जानकारी ना हो तो उन्हें प्रशिक्षण या पूर्ण विवरण के साथ जानकारी दी जाए। जिससे की कार्य शत प्रतिशत पूरा किया जा सके। बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी ओपी यादव, डीपीआरओ प्रदीप कुमार द्विवेदी, जिला पूर्ति अधिकारी अमित कुमार, जिला सूचना अधिकारी श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी पीयूष चन्द राय, ईओ मोदीनगर नरेन्द्र मोहन मिश्रा, गरिमा सिंह मण्डल समन्वयक पोषण अभियान, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी सहित अन्य नगर निगम, नगर पालिका एवं समिति से सम्बंधित अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जनपद हापुड़/घर में घुसकर पत्नी के साथ छेड़छाड़ का विरोध करने पर दबंगों ने पति को मारपीट कर किया घायल

संस्कार उजाला भूपेंद्र वर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव सिखेड़ा मुरादाबाद में पड़ोसी युवक के द्वारा घर में घुसकर महिला के साथ छेड़छाड़ का विरोध करने पर दबंगों ने पीड़िता के पति को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का मामला प्रकाश में आया है। बता दें कि सिंभावली थाना क्षेत्र के गांव सिखेड़ा मुरादाबाद में 20 तारीख की रात्रि में गांव का ही रहने वाला आलेनवी पुत्र हसरत ने अफरोजी पत्नी नासिर को घर में अकेला देख उसके साथ छेड़छाड़ की गई। छेड़छाड़ का विरोध करने पर वह उसे समय तो वहां से चला गया। कम से लौट कर घर आए नासिर को उसकी पत्नी अफरोजी ने अपने साथ ही घटित घटना के बारे में बताया तो वह इसकी शिकायत लेकर आले नबी के घर गया। जहां आले नवी, मेहताब पुत्र हसरत, एवं शाहरुख खान ने पीड़िता के पति नासिर के साथ गाली गलौज करते हुए लाठी डंडों से मारपीट की जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़िता ने अपने और पति के साथ हुई घटित घटना को लेकर इसकी सूचना 112 पीआरबी को दी। और उसके उपरांत थाने में अपनी जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाते हुए तहरीर देकर न्याय की मांग की है।

जनपद हापुड़/विद्युत विभाग का जर्जर हालत में गला हुआ पोल रोड पर गिरने से टला बड़ा हादसा आवागमन हुआ प्रभावित विद्युत पोल को ठीक करने को लेकर अधिकारी बने हल्कान

संस्कार उजाला

हापुड़ विद्युत विभाग की बड़ी लापरवाही देखने को मिली है । जिसमें वर्षों से जर्जर हालत में खड़ा लोहे का गला हुआ बिजली का पोल अचानक गिर गया। जिससे बड़ा हादसा होने से बाल बाल बच्चा। आपको बता दें कि हापुड़ के ईदगाह रोड़ पर बिजली का पोल गिरने से हों सकता था कोई भी बड़ा हादसा विद्युत पोल के गिरने से रोड़ पर आने जानें को लेकर आवागमन में हो रही है परेशानी। वहीं विद्युत पोल के गिरने से आपूर्ति सप्लाई ठप्प होने से बस्ती के लोगों ऐसी भीषण गर्मी में हालत खराब है। जिसके चलते घुट घुट कर सांस लेने को मजबूर हैं। शिकायत करने के बावजूद भी विद्युत विभाग के आला अधिकारी बने हुए हैं हल्कान।

संक्षिप्त डायरी

पार्षद वार्ड 87 अनुज त्यागी के नेतृत्व में न्याय खंड 3 में लगातार तीसरे दिन काम जारी

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) वार्ड 87 सीवर लाइन टूटी हुई थी उसके मरम्मत का कार्य लगातार तीसरे दिन जारी है। पार्षद वार्ड 87 अनुज त्यागी जी लगातार इस कार्य का निरीक्षण कर रहे हैं। उम्मीद है कि आज कल में यह कार्य पूरा हो जाएगा। इसी बीच सूचना मिली है कि अग्रवाल स्वीट के पास भी जमीन बैठी है। जीडीए के संबंधित अधिकारियों के संपर्क में तत्काल कार्यवाही करने का आग्रह जीडीए अधिकारियों ने मान लिया है। सीवर पाइप लाइन का काम खत्म होते ही अग्रवाल स्वीट्स के पास जो गड्ढा बना हुआ है उसको भी भर कर मरम्मत किया जाएगा। कुछ लाइन में अभी दिक्कत है उसके लिए भी वार्ड 87 के यशस्वी पार्षद अनुज त्यागी जी रोष जताते हुए कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए आग्रह किया है।

गाजियाबाद रक्षाबंधन पर मायके आई बेटी की गाड़ी को लेकर बवाल, लाठी-डंडे लेकर टूट पड़े पड़ोसी

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) रक्षाबंधन के मौके पर गाजियाबाद में एक बहुत ही शर्मशार करने वाली घटना सामने आई है। मामला नगर कोतवाली क्षेत्र में नजर सराय अली का है। यहां रहने वाले सहदेव की बेटी तुलसी गोविंदपुरम में ब्याही है। वह अपने पति संग राखी बांधने मायके आई थी। गली में गाडी खड़ी करने को लेकर पड़ोसी आग बबूला हो गए। आवाज सुनकर तुलसी के पिता और भाई घर से बाहर आ गए और बेटी व दामाद के साथ ऐसा सलूक करने पर नाराजगी जाहिर की। इसके बाद पड़ोसी लाठी डंडे लेकर बाप-बेटे पर टूट पड़े। पूरी घटना का वीडियो सामने आया है जो बहुत ही शर्मशार करने वाला है।बहन के सामने भाई और पिता को पीटा नगर कोतवाली क्षेत्र की कालोनी सराय नजर अली निवासी सहदेव का कहना है कि सोमवार को राखी पर उनकी पुत्री तुलसी और दामाद निशांत घर आये थे। निशांत की कार को गली में खड़ी करने पड़ोसी विशाल, विक्की, प्रकाश और विनय ने मना किया। जब सहदेव और उनके बेटे ने कार खड़ी करने से रोकने का विरोध किया तो उपरोक्त चारों समेत पांच लोगों ने लाठी डंडों से सहदेव और उनके बेटे के साथ मारपीट की। सहदेव की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है एसीपी तीन गिरफ्तार, बाकी की तलाश मामले में एसीपी कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने बताया कि गाडी टकराने की बात बताई गई है। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, बाकी हमलावरों की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं, जल्द ही बाकी लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। हालांकि सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस ने पांचों हमलावरों को देर रात ही हिरासत में ले लिया था।वीडियो में दिखा भयावह नजारा पिता और भाई पर लाठी डंडों से हमले की पूरी वारदात का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में लाल रंग की स्लीवलैस टी शर्ट पहने युवक अपने सहयोगियों के साथ मिलकर बुजुर्ग सहदेव और उनके बेटे पर लाठी डंडों से वार करते दिख रहे हैं। इस दौरान राखी बांधने पहुंची सहदेव की बेटी तुलसी भी हमलावरों से ऐसा न करने की मिन्नतें करती दिख रही है। इतना ही नहीं मोहल्लें में राखी बांधने पहुंचीं दूसरी बेटियां भी बचाव के लिए पहुंची लेकिन हमलावरों ने किसी की एक न सुनी।

जिला कार्यालय पर भाकेयू भानू के नवयूक्त पदाधिकारियों का किया स्वागत

संस्कार उजाला

भारतीय किसान यूनियन भानू के जिला कार्यालय नियर अइएर कॉलेज ग्राम डूंडाहेड़ा पर नवयुक्त युवा जिला अध्यक्ष शशांक सिंह जी जिला अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ एडवोकेट संजय कुमार जी जिला अध्यक्ष व्यापार मोर्चा शुभम त्यागी जी जिला अध्यक्ष व्यापार मोर्चा मनीष गर्ग जी जिला सचिव युवा मोर्चा धनंजय चौहान जी सभी का फूल माला पहनाकर मिठाई खिलाकर स्वागत किया सभी ने पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवम शुभकामनाएं दी जिसमे मुख्य रूप से राष्ट्र महासचिव रूपेश त्यागी जी प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक यादव जी महानगर अध्यक्ष विजय सेन जी मनमोहन शर्मा जी जिला उपाध्यक्ष महानगर उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश जी अरुण कुमार जी जिला सचिव बिलाल चौधरी जी जिला सचिव राज खान की जिला महासचिव नौशाद जी जिला महासचिव मोनू त्यागी जी जिला मंत्री के साथ समस्त पदाधिकारी मौजूद रहे

जनपद हापुड़/भारत बंद को लेकर जिला प्रशासन की अफसर शाही टीम की पैनी नजर चप्पे-चप्पे पर भारत बन्द का जिले में दिखाई दिया मिला-जुला असर

संस्कार उजाला

जनपद में भारत बंद को लेकर मिला-जुला असर रहा स्कूल कॉलेज दुकाने बैंक इत्यादि संस्थान खुले नजर आए। भारत बंद को लेकर जिला प्रशासन की अफसर शाही टीम पैनी नजर के साथ चप्पे-चप्पे पर मुस्तादी के साथ नजर आई। जिसको लेकर हापुड़ शहर में शहर कोतवाल रघुराज प्रताप सिंह भी अपने पुलिस बल के साथ प्रदर्शनकारियों के साथ मुस्तैदी से नजर आए। किसी भी प्रदर्शनकारी ने शहर कोतवाल की मॉनिटरिंग के सामने उफ तक करने की कोशिश नहीं की। शहर कोतवाल रघुराज प्रताप सिंह ने शहर में शांति सुरक्षा व्यवस्था पूर्ण रूप से कायम रखने में कामयाब रहे।

आरटीआई एक्ट का मखौल नहीं मिल पायी निर्धारित समय मे जानकारी संदीप त्यागी रसम

संस्कार उजाला

गजप्रस्थ*। गाजियाबाद नाम परिवर्तन अभियान संयोजक एडवोकेट संदीप त्यागी रसम ने बताया कि नगर निगम गाजियाबाद की 9 जनवरी 2024 की बोर्ड बैठक हुई इस बैठक में स्वयं महापौर द्वारा सदन मे गाजियाबाद नाम परिवर्तन विषय पर प्रस्ताव रखा व लगभग सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित हुआ अत्याचारियों को सम्मानित करती मानसिकता भारत छोडो अभियान के अंतर्गत गाजियाबाद नाम परिवर्तन संबंधित इस प्रस्ताव मे अग्रिम कार्यवाही की जानकारी के संबंध में नाम परिवर्तन अभियान संयोजक एडवोकेट संदीप त्यागी रसम ने मुख्यमंत्री कार्यालय से दिनांक 05/06/24 के आरटीआई आवेदन द्वारा जानकारी मांगी कि 9 जनवरी 2024 को नगर निगम गाजियाबाद बोर्ड बैठक में पारित गाजियाबाद नाम परिवर्तन का प्रस्ताव माननीय मुख्यमन्त्री जी के समक्ष किस दिनांक को पहुंचा व इस पर अभी तक क्या कार्रवाई हुई है अगर नहीं पहुंचा है तो विलम्ब का कारण व उसके दोषी कौन हैं आदि जानकारी मांगी गई है मुख्यमंत्री कार्यालय में आरटीआई दिनांक 11 जून को प्राप्त होने व दिनांक 19/06/2024 को राजस्व विभाग को अंतरित किए जाने की सूचना मुख्यमंत्री कार्यालय ने संदीप त्यागी रसम को भेजी है ।राजस्व विभाग ने दिनांक 01/07/2024 को आरटीआई आवेदन पत्र को नगर विकास विभाग को अंतरित करने की सूचना गाजियाबाद नाम परिवर्तन अभियान संयोजक एडवोकेट संदीप त्यागी रसम को भेजकर अपना कर्तव्य निर्वहन किया इस स्थिति में संदीप त्यागी रसम ने जानना चाहा है कि क्या मुख्यमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण यह भी नहीं जानते कि संबंधित विषय किस विभाग से संबंधित है या बात कुछ और है आरटीआई एक्ट के तहत निर्धारित समय बीतने के बाद भी कोई जवाब अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है निर्धारित समय में जानकारी प्राप्त न होना आरटीआई एक्ट का खुला उल्लंघन है आवेदक के जानकारी प्राप्त करने के अधिकार का हनन है जन सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 19(1) के अंतर्गत एडवोकेट संदीप त्यागी रसम द्वारा अपीलीय अधिकारी मुख्य सचिव नगर विकास विभाग के समक्ष अपील की गई है यहां देखने योग्य बात यह होगी कि योगी आदित्यनाथ सरकार के अधिकारीगण इस विषय पर जानकारी देते हैं या पत्र को फिर किसी अन्य विभाग को अंतरित करने का मार्ग अपनाकर कर कर्तव्य निर्वहन करेंगे

निवेदक संदीप त्यागी रसम

संयोजक अत्याचारियों को सम्मानित करती मानसिकता भारत छोडो अभियान

गाजियाबाद नाम परिवर्तन अभियान

संलग्न

1 आरटीआई आवेदन पत्र दिनांक 5 जून 2024

2 आरटीआई अपील पत्र 17/08/24

3 माननीय मुख्य मंत्री कार्यालय से प्राप्त पत्र

4 राजस्व विभाग उत्तर प्रदेश सरकार से प्राप्त पत्र

श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव विशेष,भगवान श्री कृष्ण-बुलंद हौसलों की धधकती मशाल!

जानिए भगवान श्री कृष्ण ने किस प्रकार जीवन की हर अमावस्या को पूर्णिमा में परिणित करने का संदेश दिया दिव्य गुरु आशुतोष महाराज संस्थापक एवं संचालक, दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

मुसीबतों से घबराओ नहीं, उनका डटकर सामना करो। अपने जीवन की हर अमावस्या को पूर्णिमा में परिणित करने का जज्बा रखो। महापुरुषों का आदर्शमयी जीवन भी हमें यही प्रेरणा देता है। उनके हौसलों की गर्जना के आगे प्रत्येक परेशानी सहम कर लौट जाती थी। उनके संयम और धैर्य की शीतलता से बड़े-बड़े ज्वालामुखी शांत हो जाते थे। उनकी सकारात्मक सोच दु:ख की कालिमा में भी सुख का उजाला कर देती थी। द्वापर में भी ऐसे ही एक महान अवतार का प्राकट्य हुआ था, जिन्हें आज संसार भगवान श्री कृष्ण के नाम से पूजता है। उनका सम्पूर्ण जीवन संघर्ष की एक खुली किताब है। जन्म से लेकर देहावसान तक, शायद ही उनके जीवन में कभी सुख-चैन की घड़ियाँ आई हों। लेकिन अपने बुलंद इरादों से उन्होंने हर विलापमय क्षण को मांगल्य के क्षणों में तब्दील कर दिया। हर ढल चुकी शाम को दोपहर की तरह स्वर्णिम बना दिया। आइए, हम भी उनकी जीवन-लीला से अपने लिए प्रेरणा के कुछ रत्न चुनें।सबसे पहले, हम उनके जन्म का समय देखें। रात्रि बारह बजे! यह ऐसा समय है, जब विराट सूर्य भी अंधकार की गहरी खाई में खो जाता है। यह समय देवताओं के रमण का नहीं, अपितु भूत-प्रेतों के नग्न तांडव का होता है। चंद शब्दों में समेटें तो, रात्रि के बारह बजे संसार की प्रत्येक क्रिया काली होती है। लेकिन भगवान कृष्ण ने यह कालिमा नहीं देखी। अगर कुछ देखा तो वह थी चंद्रमा की उज्ज्वल रौशनी! उन्होंने घोर रात्रि को अपने जन्म का लगन चुनकर, यह दिखा दिया कि इंसान की सोच ही समय को अनुकूल या प्रतिकूल बनाती है। हम समय के गुलाम नहीं, बल्कि वह ही हमारा गुलाम है। भगवान कृष्ण का जन्म स्थल भी क्या था? कारागार! अत्यंत अशोभनीय स्थान! यहाँ पर जन्म लेकर उन्होंने सारी दुनिया को दिखा दिया कि जन्म-स्थान के कारण कोई महान नहीं होता। महान होता है तो अपने कर्मो से! आप संसार के कैदखाने में जन्म लेकर भी कैदी की तरह नहीं, एक जेलर की तरह जी सकते हैं। जो कारागार में होते हुए भी बंधन में नहीं है। मुक्त है। इसके बाद जब वसुदेव प्रभु को लेकर यमुना पार करने लगे, तो भयंकर तूफान और बारिश होने लगी। प्रभु ने एक विशालकाय सर्प द्वारा अपने पर छाया करवाई। सर्प काल का प्रतीक माना जाता है। उसका कार्य ही मृत्यु देना है। लेकिन भगवान कृष्ण ने उसे अपना रक्षक बनाया। इस लीला द्वारा उन्होंने समाज के समक्ष एक बहुत विस्फोटक विचार रखा कि, यदि काल से भागना चाहोगे, तो नहीं भाग पाओगे। इसलिए उसे अपना मित्र बना लो। जब दुश्मन को ही दोस्त बना लिया, तो उससे भय कैसा? बल्कि अब दुश्मन ही तुम्हारी रक्षा करेगा। जिसका काल ही रक्षक हो जाये, उसे भला कैसे कोई हरा सकता है? उसकी जीत तो निश्चित ही है। ऐसी और भी अनेक लीलाएँ हैं, जैसे छठी के दिन ही राक्षसी पूतना का वध, मात्र सात साल की आयु में गोवर्धन पर्वत उठाना, महाभारत युद्ध आदि- जो भगवान कृष्ण के बुलंद हौसलों और स्वस्थ सोच को प्रदर्शित करती हैं। सभी लीलाओं के द्वारा भगवान कृष्ण ने यही आदर्श रखा कि हर परिस्थिति में हम हौसला रखते हुए, सकारात्मक सोच रखते हुए फतह हासिल करें। लेकिन यह हौसला और सकारात्मक सोच इंसान के भीतर तभी जन्म लेती है, जब उसका अंतस-प्रकाशित होता है। जब उसकी जाग्रत आत्मा से उसे आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। यह सम्भव है मात्र ब्रह्मज्ञान से! एक पूर्ण सतगुरु हमें ब्रह्मज्ञान प्रदान कर परमात्मा के दिव्य प्रकाश रूप से जोड़ देते हैं। फलतः हमारा अंतस-आलोकित होता है और हम भगवान कृष्ण की तरह जीने की कला सीख पाते हैं। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से सभी पाठकों को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएँ!

गाजियाबाद सनसनी कैस खबर डॉ बी पी त्यागी को मिली जान से मारने की धमकी

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) बताते चलें सत्येंद्र त्यागी जिला बदर होने के बावजूद भी शहर में खुला घूम रहा है डॉक्टर बी पी त्यागी को जान से मारने की धमकी तक दे डाली अस्पताल में डॉक्टर बी पी त्यागी को स्टाफ के सामने दी जान से मारने की धमकी डॉक्टर बी पी त्यागी पुलिस प्रशासन से काफी नाराज दिखाई दिए कियू कि डॉक्टर बी पी त्यागी ने पुलिस प्रशासन से की थी कंप्लेंट जोकि कमिश्नर साहब ने नहीं लिया संज्ञान डॉ बी पी त्यागी ने पुलिस पर लगाया आरोप कहा कि एफआर लगाकर वापस कर दी अब देखना यह है कि आगे डॉक्टर बी पी त्यागी पुलिस प्रशासन के इसी रवैये को देखते हुए क्या बड़ा कदम उठाते हैं डॉक्टर साहब

ने भी दे दी खुली चुनौती पुलिस प्रशासन को हॉस्पिटल में पुलिस प्रशासन की एंट्री बंद कर दी गई है क्योंकि पुलिस प्रशासन ने सिविल केस बताते हुए उसमें एफआर

लगा दी है इसलिए जब तक पुलिस प्रशासन कोई ठोस कदम नहीं उठाता तब तक पुलिस वालों की एंट्री बंद रहेगी हॉस्पिटल में वह किसी भी पुलिस वाले का चेकअप नहीं करेंगे अब बताते चलें क्या पुलिस किसी बड़ी घटना होने का तो इंतजार नहीं कर रही ??क्योंकि आए दिन डॉक्टर बीपी त्यागी सुर्खियों में रहते हैं वह गलत को गलत और सही को सही कहने की हिम्मत रखते हैं पुलिस प्रशासन हो या राजनीतिक पार्टी उनकी जंग हमेशा गलत के खिलाफ होती रहती है पुलिस प्रशासन के इसी गैर जिम्मेदार रवैया से नाराज है डॉ बी पी त्यागी अस्पताल में कोई भी पुलिसकर्मी का इलाज ना करने बड़ा फैसला लिया है डॉक्टर बी पी त्यागी ने कहा कि आर्मी का कोई भी जवान हॉस्पिटल में आता है तो उसका स्वागत है और उसे हर तरीके से सुविधाजनक फैसिलिटी के साथ ट्रीटमेंट दिया जाएगा आर्मी वालों का इलाज भी फ्री रहेगा।

गाजियाबाद की मेयर सुनीता दयाल के प्रति कुछ टिप्पणियो की ऑडियो हुई वायरल,उसे सुनील त्यागी ने महज उनकी छवि खराब करने की कोशिश बताया

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

आपको बताते चलें सुनील त्यागी को एक ऑडियो पर बातचीत करने पर पता चला कि उनकी वॉइस का कॉपी पेस्ट किया गया है उन्होंने उसे हर तरीके से गलत बताते हुए कहा कि मे सुनील त्यागी एक एनजीओ एक संस्था चलाता हूं उस संस्था में गरीब लोगों की मदद करना भंडारे लगाना कावड़ यात्रा में भंडारा किसी बेसहारा मरीज की मदद, कोविद काल में लोगों को राशन पानी देना, कोई शुभ काम होता है तो लोगो की मदद करना असहयों को भोजन कराना इस तरीके का काम उनकी एनजीओ करती है सुनील त्यागी का एक ऑडियो वायरल हो रहा है जिसमें यूपी सरकार और गाजियाबाद की मेयर सुनीता दयाल के प्रति कुछ टिप्पणियां की जा रही हैं सुनील त्यागी का कहना है कि मैंने उस रिकॉर्डिंग को सुना है जिसमें आवाज मेरी जैसी प्रतीत होती है, उस रिकॉर्डिंग को उन्होंने गलत बताया वो कॉपी पेस्ट की गई है शब्दों को आगे पीछे अलग-अलग कर के उस रिकॉर्डिंग को बनाया गया है,उनकी छवि को नगर निगम महापौर और नगर आयुक्त के सामने गलत तरीके से दशार्या गया है जो की बहुत गलत है उन्होंने बताया कि मेरा किसी भी तरीके का ऐसा ऑडियो नहीं है मैं इस चीज को हर तरीके से ना करता हूं मेरे साथ कोई दुश्मनी निभाने की कोशिश कर रहा है जिसमें जाकिर सैफी आए दिन उन्हें हर तरीके से टॉर्चर करता है और ₹50000 महीने की मांग की गई है ना देने पर सुनील त्यागी को आए दिन परेशान करता रहता है पहले भी कहीं बार प्रशासन से शिकायत की गई है जिस पर संज्ञान भी लिया गया है सुनील त्यागी ने अपने प्रति हर बात को नकारा है क्योंकि मैंने किसी भी प्रकार की कोई टिप्पणी सरकार या गाजियाबाद की मेयर के प्रति नहीं दी है मेरा काम समाज सेवा है समाज में कई प्रकार के कार्यक्रम मेरे द्वारा करवाए जाते हैं चाहे वह कावड़ यात्रा के प्रति सेवा हो या फिर गरीब महिलाओं को सिलाई मशीन वितरण इसके साथ कोविड आने पर मेरे द्वारा कई गरीब परिवारों को राशन वितरण किया गया, समय-समय पर मैं लोगों के लिए इस तरह की सेवा हमेशा करता रहता हूं,मैं एक समाजसेवी संस्था चलाता हूं मेरा किसी भी पार्टी किसी भी दल किसी भी नेता के साथ कोई संबंध नहीं है, ना ही मैं किसी भी पार्टी का पक्षदार हूं

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने जन पोषण केंद्रों का किया उद्घाटन।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी उपभोक्ता मामले, खाद्य एवम सार्वजनिक वितरण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा मंगलवार को उत्तर प्रदेश के जिला गाजियाबाद समेत चार राज्यों तेलंगाना, राजस्थान, गुजरात एवं उत्तर प्रदेश में 60 उचित दर विक्रेताओ के यहां जनपोषण केंद्रों का उद्घाटन टू वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया उत्तर प्रदेश हेतु चयनित जनपद गाजियाबाद में 15 उचित दर विक्रेताओं के यहां जनपोषण केंद्रों का उद्घाटन किया गया जिसमें मेसर्स उपेंद्र पाल सिंह विवेकानंद नगर , ममता गुप्ता बागू , सतनाम कुमार भूर भारत नगर, देशराज सिंह जनकपुरी, मनोज शर्मा शालीमार गार्डन ,अखिलेश भट्ट इंदिरापुरम, महेंद्र सिंह पसोंडा , अजय सिंह आजाद विहार खोड़ा, मोबिन बेगम डासना, सुभाग ग्राम कनोजा , लक्ष्मण सिंह भारती टीला साहबाजपुर, दीपक कुमार सरफुद्दीन जावली , इंद्र कुमार शर्मा असलतपुर फरुखनगर , सरोज बाला बसंतपुर सेथली , शामिल है जनपद में चमन प्रकाश उचित दर विक्रेता काशीराम की दुकान पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में टू वे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अंतः क्रिया से माननीय मंत्री जी द्वारा जन पोषण केंद्र का लाइव उद्घाटन कर विक्रेता से वार्ता भी की गई। जिसमें उचित दर विक्रेताओं की दुकान पर विनय कुमार सिंह संयुक्त आयुक्त खाद्य मेरठ मंडल, अमित कुमार तिवारी जिला पूर्ति अधिकारी गाजियाबाद , क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी , कार्ड धारक, आशा व अन्य लोग मौजूद रहे आम जनमानस को उपरोक्त जन्म पोषण केंद्र से उच्च गुणवत्ता युक्त पोशाक खाद्य पदार्थ आसानी से एक उचित मूल्य पर प्राप्त किया जा सकते हैं।

बेटे की इच्छामृत्यु की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट क्यों पहुंचे दंपत्ति

नई दिल्ली। क्या कोई माता-पिता अपने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की डिमांड कर सकता है? सुनने में थोड़ा अजीब जरुर लेकिन दिल्ली के एक दंपत्ती ने ऐसी ही गुहार लगाई है। उन्होंने अपने 30 साल के बेटे के लिए इच्छामृत्यु की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि करीब 11 साल से ज्यादा हो गया, उनका बेटा वेजिटेटिव स्टेट पर है। वहां मेडिकल सपोर्ट सिस्टम के द्वारा किसी तरह जिंदा है। हालांकि, बेटे का इलाज महंगा है, इसमें उनकी पूरी जमापूंजी खत्म हो गई। डॉक्टरों ने भी उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं जाहिर की है। इसके बाद थककर मां-बाप ने बेटे के लिए इच्छामृत्यु की अपील लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। हालांकि, सर्वोच्च अदालत ने उनकी मांग को अस्वीकार कर याचिका खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने बुजुर्ग माता-पिता के दर्द को समझकर सरकार से कहा कि क्या वे इस मरीज की देखभाल के लिए कोई व्यवस्था कर सकते हैं? सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम पैसिव यूथनेसिया की अनुमति नहीं दे सकते क्योंकि वहां जीवन रक्षक प्रणाली पर नहीं है, भले ही मरीज को राइल्स ट्यूब के जरिए खाना दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह मामला तब उठाया जब पीड़ित के माता-पिता ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। पूरा मामला दिल्ली के रहने वाले अशोक राणा (62) और निर्मला देवी (55) के इकलौता बेटे से जुड़ा है। वे पिछले 11 साल से गंभीर हालात में है। हुआ यूं कि साल 2011 में 30 वर्षीय युवक मोहाली में सिविल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। तभी एक हादसे में युवक को गंभीर चोटें आईं। वहां वेजीटेटिव स्टेट में चला गया। तब से लेकर आज तक युवक उसी कंडीशन में है। डॉक्टरों के मुताबिक उसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं है। बेटे का इलाज कराते-कराते इस बुजुर्ग दंपत्ति की सारी जमा पूंजी खत्म हो चुकी है। अब डॉक्टरों ने भी जवाब दे दिया है।

बक्सर में फिर बढ़ रहा गंगा नदी का जलस्तर... प्रशासन पूरी तरह अलर्ट पर

बक्सर। बक्सर में गंगा नदी का जलस्तर फिर बढ़कर चेतावनी बिंदू के पास पहुंचा हुआ है। केंद्रीय जल आयोग से बुधवार की सुबह 8 बजे मिली अपडेट के अनुसार नदी का जलस्तर 58.90 मीटर पर पहुंचा है। वहीं, नदी में जलस्तर बढ़ने की रफ्तार प्रति घंटे एक सेंटीमीटर बताया जा रहा है। बक्सर एसडीओ द्वारा नदी का जलस्तर एक बार फिर बढ़ने की सूचना मिलने पर जिले के गोला घाट पर पहुंच निरीक्षण किया गया। एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा द्वारा बताया गया कि नदी का जलस्तर अभी चेतावनी बिंदू से नीचे है। इसकारण चिंता की कोई बात नहीं है। जिला प्रशासन संभावित बाढ़ क्षेत्र में अपनी राहत बचाव एसएनबी संबंधित तैयारी की हुई है। बक्सर में गंगा नदी का जलस्तर 8 अगस्त को तेजी से बढ़ते हुए चेतावनी बिंदू को पार कर गया था। 8 अगस्त को नदी का जलस्तर 59.33 के पास पहुंच गया था। वहीं 9 अगस्त को जलस्तर बढ़ते हुए खतरे 59.49 पर पहुंच खतरे के निशान के करीब पहुंच गया था। जिसके कारण बक्सर के दर्जनों घाट का एक दूसरे से संपर्क टूट गया था। प्रसिद्ध रामरेखा घाट की सभी सीढ़ियां जल में समा गई। नदी का पानी विवाह मंडप में प्रवेश कर गया था। हालांकि 10 अगस्त को नदी का जलस्तर 59.49 पर स्थिर होने के बाद 11 अगस्त से घटना शुरू हो गया। जो 16 अगस्त तक घटते हुए 57.94 के पास जा पहुंचा। इसी बीच नदी का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ने लगा है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए एक बार फिर से तटवर्तीय लोगों की माथे पर चिंता की लकीर देखा जा रहा है।

आंध्र प्रदेश में फार्मा कंपनी के कारखाने में लगी आग, चार कर्मचारियों की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अचुतापुरम में बुधवार को एक फार्मा कंपनी के कारखाने में आग लग जाने से चार कर्मचारियों की मौत हो गई। अनकापल्ली की जिलाधिकारी विजय कृष्णन ने बताया कि दुर्घटना दोपहर करीब दो बजे एसेंटिया फार्मा कंपनी के संयंत्र में हुई। कृष्णन ने बताया, हमने चार कर्मचारियों को खो दिया। उन्होंने बताया कि घटना में घायल हुए करीब 30लोगों को अनकापल्ली और अचुतापुरम के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इसके अलावा जिलाधिकारी ने कहा कि कंपनी में फंसे 13 लोगों को बचा लिया गया है।

भारतीय वायु सेना के लडाकू विमान से कोई वस्तु गिरी, कोई जानमाल का नुकसान नहीं

जैसलमेर। राजस्थान में जैसलमेर जिले के पोखरण इलाके में बुधवार को भारतीय वायु सेना के एक लड़ाकू विमान से कोई वस्तु जमीन पर गिरी। वायुसेना ने कहा कि यह घटना सुनसान इलाके में हुई और जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। उसने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज तकनीकी खराबी के कारण पोखरण फायरिंग रेंज के पास भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमान से एक 'एयर स्टोर' अनजाने में बाहर आ गया।'' उसने कहा कि इस घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। जान-माल के किसी नुकसान की खबर नहीं है। रामदेवरा थाने के पुलिस उपनिरीक्षक शंकर लाल ने बताया कि गांव से करीब एक किलोमीटर दूर कुछ लोगों ने जोरदार विस्फोट की आवाज सुनी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे। उनके अनुसार वहां किसी वस्तु के टुकड़े पड़े हुए थे।

कोलकाता में एक और कांड! महिला का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप

कोलकाता। कोलकाता में एक और कांड सामने आया है। आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर संग रेप-मर्डर केस के बाद अब कोलकाता के आनंदपुर इलाके में एक महिला का शव मिला है। महिला का शव खून से लथपथ है। यह महिला कौन है, कहां की है और क्या करती है, इसकी कोई जानकारी सामने नहीं आई। फिलहाल, पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को अपने कब्जे में ले लिया है। पोस्टमॉर्टम के लिए शव को भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा कि आखिर महिला की हत्या कैसे हुई है, क्या रेप भी हुई थी? फिलहाल, पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और महिला की जानकारी खंगाल रही है। इस घटना के बाद से लोगों के भीतर और डर बढ़ गया है। बता दें कि कोलकाता रेप कांड को लेकर पहले से ही देशभर में बवाल जारी है। इससे पहले 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल के सेमिनार हॉल में एक ट्रेनी डॉक्टर का शव मिला था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से यह बात सामने आई कि हत्या से पहले ट्रेनी डॉक्टर का रेप किया गया था। इस मामले में पुलिस ने संजय रॉय को गिरफ्तार किया है। फिलहाल, अब मामले की जांच सीबीआई कर रही है। अब तक कोलाकात डॉक्टर मर्डर केस की गुत्थी नहीं सुलझ पाई है। इसे लेकर हर जगह आक्रोश है।

सीबीआई को डर... दूसरा अक्कू ना बन जाए दरिंदा संजय

कोलकाता। कोलकाता के आरजी अस्पताल मर्डर केस में सीबीआई फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। दरिंदे संजय रॉय को लेकर सीबीआई काफी सतर्क है। दरिंदे रॉय के खिलाफ लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। इसकारण दरिंदे को अदालत में पेश करने के लिए भी सीबीआई को माथापच्ची करनी पड़ रही है। सीबीआई को डर है कि अदालत में पेशी के दौरान दरिंदा संजय रॉय गुस्साई भीड़ के हत्थे न चढ़ जाए। इसकारण सीबीआई हर संभावित समाधानों पर विचार कर रही है। दरअसल सीबीआई को डर हैं कि अक्कू यादव कांड फिर ना हो जाए। दरअसल अक्कू यादव कांड आज से 20 साल पुराना कांड है। अक्कू यादव कोई छोटा-मोटा अपराधी नहीं था। अक्कू सीरियल किलर और रेपिस्ट था। अक्कू ने 40 से अधिक महिलाओं का रेप किया था। अक्कू नागपुर के कस्तूरबा नगर स्लम का रहने वाला था। अक्कू ने सालों तक अपने स्लम एरिया की महिलाओं का रेप किया। अक्कू ने 10 साल की उम्र से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं को हवस का शिकार बनाया। उसके खिलाफ कोई बोलने को तैयार नहीं होता था। मगर अगस्त 2004 में उसके साथ वह हुआ, जिसकी गूंज सालों तक सुनाई दी। उसके ऊपर वेबसीरीज तक बन गई। जी हां, 13 अगस्त 2004 को जब अक्कू को कोर्ट में पेश किया गया, तब वह उसका आखिरी दिन था। कोर्ट रूम में महिलाओं की खचाखच भीड़ थी। जैसे ही दरिंदा अक्कू दिखा, महिलाओं ने कानून को अपने हाथों में लिया। महिलाओं ने एक साथ पुलिसवालों और अक्कू के चेहरे पर लाल मिर्च पाउडर फेंकना शुरू किया। फिर पुलिस की गिरफ्त से अक्कू को अपने बीच कर लिया। गुस्साई महिलाओं की भीड़ के सामने पुलिस भी खौफजदा रह गई। इसके बाद महिलाओं ने अक्कू यादव पर चाकू और पत्थर से ताबड़तोड़ वार किए गए। तब तक वार किए, जब तक कि अक्कू मर न गया। 15 मिनट में ही कोर्ट रूम की सफेद मार्बल वाली फर्श लाल हो चुकी थी और दीवार पर खून ही खून के छींटे थे।

बदलापुर मामले में हुई एफआईआर में चौंकाने वाले खुलासे, आरोपी को दादा कहती थी मासूम

बदलापुर (एजेंसी)। ठाणे जिले के बदलापुर में चार साल की दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न की घटना से उबाल है। स्कूल के शौचालय में चार वर्षीय दो बच्चियों से सफाईकर्मी द्वारा कथित यौन उत्पीड़न किये जाने के बाद, हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को बदलापुर रेलवे स्टेशन की पटरियों को रोक दिया और विद्यालय परिसर में धावा बोल दिया। पुलिस ने रेल पटरियों पर मौजूद प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्च किया, जो पुलिसकर्मियों पर पथराव कर रहे थे। नाराज अभिभावकों सहित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बच्चियों के यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी नाराजगी जताने के लिए स्कूल भवन में तोड़फोड़ की।

इस मामले के आरोपी की पहचान अक्षय शिंदे के तौर पर हुई है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसी बीच एक बच्ची के माता-पिता की तरफ से दर्ज कराई शिकायत से सामने आया है कि शिंदे ने कैसे वारदात को अंजाम दिया।एफआईआर में इस बात का जिक्र है कि स्कूल में सफाईकर्मी के तौर पर काम करने वाले ने बच्ची का यौन शोषण किया है। रिपोर्ट में एफआईआर के हवाले से बताया गया है कि घटना 13 अगस्त को सुबह 9 बजे से 12 बजे के बीच हुई। इनमें से एक बच्ची के परिवार को 13 अगस्त को दूसरी बच्ची के परिवार से बात करने के बाद कुछ शक हुआ। दूसरी बच्ची के परिवार ने बताया कि वो यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने जा रहे हैं।

एफआईआर में कहा गया है कि इसके बाद बच्ची के पिता ने भी उसका मेडिकल टेस्ट कराने का फैसला किया। शिकायत में बताया गया है कि मेडिकल रिपोर्ट में बच्ची का हाइमन टूटने की बात सामने आई है। शिकायत में यह भी बताया गया है कि बच्ची बहुत डरी हुई थी और उसने परिवार को बताया कि स्कूल में दादा ने उसके कपड़े उतारे और निजी अंगों को छुआ था।रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि परिवार ने कहा है कि उन्होंने 16 अगस्त को इस घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया था। आरोप लगाए जा रहे हैं कि पुलिस ने 12 घंटों के बाद 16 अगस्त को रात 9 बजे एफआईआर दर्ज की थी।

बदलापुर मामले में टीएमसी सांसद ने की शिंदे सरकार की आलोचना

-बोलीं-महाराष्ट्र पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने से कर दिया था इनकार

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में दो मासूम छात्राओं के यौन उत्पीड़न के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने में देरी को लेकर शिंदे

सरकार की आलोचना की है। उन्होंने महाराष्ट्र पुलिस की प्रतिक्रिया और आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप -हत्याकांड पर कोलकाता पुलिस की कार्रवाई के बीच तुलना की। कोलकाता में रेप-हत्याकांड के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और बंगाल सीएम ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की जा रही है। मोइत्रा ने कहा कि बदलापुर मामले के विपरीत जहां महाराष्ट्र पुलिस ने कई दिनों तक प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार कर दिया था। कोलकाता पुलिस ने ट्रेनी डॉक्टर रेप-हत्याकांड में आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया था। महुआ ने बुधवार को ट्वीट किया कि आरजी कर मामले में पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी की गई थी। महाराष्ट्र में पुलिस ने कई दिनों तक एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। यह असली गैर-लोकतांत्रिक गठबंधन है। बता दें महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल में सफाई कर्मचारी ने तीन और चार साल की दो मासूम छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न के बाद क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। गुस्साए लोगों ने स्कूल में तोड़फोड़ की और भीड़ ने ट्रेन सेवाओं को बाधित कर दिया था।

छात्राओं से यौन उत्पीड़न मामले में सांसद सुले ने किया सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

-शहर में तनाव के चलते बंद की गई इंटरनेट सेवाएं बहाल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एनसीपी (एससीपी) सांसद सुप्रिया सुले ने कार्यकर्ताओं के साथ बदलापुर के एक स्कूल में दो छात्राओं के साथ हुए यौन उत्पीड़न को लेकर शिंदे सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से इस मामले में आरोपी को सख्त से सख्त सजा दिए जाने की मांग की। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल के सफाईकर्मी ने दो छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न को लेकर तनाव बढ़ने के बाद इंटरनेट को बंद कर दिया गया था, जिसके बाद इसे बहाल कर दिया गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कहा कि वह इस मामले की जांच के लिए बदलापुर एक टीम भेजेगा।

स्कूल के शौचालय में चार साल दो मासूम छात्राओं से सफाईकर्मी द्वारा यौन उत्पीड़न किए जाने के बाद हजारों प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को बदलापुर रेलवे स्टेशन पर हंगामा किया और जिससे कई ट्रेन प्रभावित हुई थीं बदलापुर स्टेशन पर, उग्र प्रदर्शनकारियों को पुलिस अधिकारियों के खिलाफ ''हाय-हाय'' के नारे लगाते और यौन उत्पीड़न में कथित तौर पर संलिप्त सफाईकर्मी को फांसी देने की मांग करते देखा गया। इसके साथ स्कूल परिसर में धावा बोल दिया था। पुलिस ने रेल पटरियों पर मौजूद प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भांजी, क्योंकि वह पुलिसकर्मियों पर पथराव कर रहे थे। आक्रोशित सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न के खिलाफ अपनी नाराजगी जताते हुए स्कूल में तोड़फोड़ भी की थी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि उन्होंने आईपीएस आरती सिंह की अध्यक्षता में एसआईटी गठित करने का आदेश दिया है। सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि स्कूल के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की त्वरित अदालत में सुनवाई होगी और दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

14 साल बाद भारत में मिला पोलियो का मामला... डब्ल्यूएचओ ने अलर्ट किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। 14 साल बाद पोलियो ने भारत को फिर डराया है। मेघालय के वेस्ट गारो हिल्स जिले के दूरदराज गांव में दो साल के बच्चे में पोलियो के लक्षण मिले है। भारत आधिकारिक तौर पर 2014 से पोलियो मुक्त राज्य है। पोलियो का अंतिम मामला 2011 में सामने आया था। नए मामले के सामने आने के बाद, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अलर्ट जारी किया है। भारतीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क रहने और संभावित मामलों की तुरंत जांच करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा टीकाकरण अभियान भी तेज कर दिया गया है। मेघालय और असम के आस-पास के क्षेत्रों में विशेष सावधानी रखी जा रही है, ताकि और कोई बच्चा पोलियो का शिकार ना हो पाए। भारत ने पोलियो उन्मूलन के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है। एक समय था जब भारत में पोलियो के मामले काफी अधिक थे, लेकिन 2014 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत को पोलियो-मुक्त देश घोषित कर दिया। इसका मतलब है कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में पोलियो का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। राष्ट्रीय पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम- इस कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर पोलियो टीकाकरण अभियान चलाए गए।

अलर्ट रहने की जरूरत

हालांकि भारत को पोलियो-मुक्त घोषित किया गया है, लेकिन पोलियो वायरस का खतरा अब भी बना हुआ है। इसलिए, पोलियो के खिलाफ टीकाकरण अभियान लगातार जारी हैं, और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाए। पोलियो-मुक्त स्थिति को बनाए रखने के लिए सतर्कता और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है, और सरकार इस दिशा में निरंतर कार्यरत है। दुनिया के कुछ हिस्सों में पोलियो वायरस अभी भी सक्रिय है, इसलिए सतर्कता और सावधानी की जरूरत है।

अमेरिका के दौरे पर जा रहे राजनाथ... जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन मुख्य मुद्दा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 अगस्त को अमेरिका जाएंगे। वे अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड आस्टिन के निमंत्रण पर अमेरिका जा रहे है। इस दौरान वे अमेरिकी रक्षा सचिव के साथ बैठक कर रक्षा सहयोग की मजबूती पर चर्चा होगी। इसके अलावा रक्षा मंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति के राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के सहायक जेक सुलविन से मुलाकात करने वाले है।

पीएम मोदी की न्यूयॉर्क यात्रा से पहले रक्षा मंत्री सिंह का अमेरिका दौरा काफी अहम माना जा रहा है। इससे अमेरिका-भारत संबंधों को नई गति मिलेगी। इसके अलावा अमेरिका दौरे से दोनों देशों के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के व्यापक होने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री श्री सिंह भारतीय समुदाय से भी बातचीत कर सकते है।

सूत्रों का कहना है कि अपने दौरे में रक्षा मंत्री अमेरिकी फर्म जनरल इलेक्ट्रिक की तरफ से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को जीई-एफ404 टर्बोफैन इंजन की आपूर्ति में हो रही देरी के मुद्दे को अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। भारतीय वायुसेना को तेजस एमके1ए की डिलीवरी इंजनों की सप्लाई में देरी के चलते लटक रही है। भारतीय वायु सेना को 31 मार्च 2024 तक पहले तेजस एमके1ए की डिलीवरी होनी थी, लेकिन इसमें लगभग 10 महीने की देरी हो रही है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि भारत तेजस मार्क-2 वर्जन लाने की भी तैयारी कर रहा है। इसमें भी जीई एफ414 जेट इंजन लगाया जाना है। भारत की कोशिश रहेगी कि भारत-अमेरिका मिल कर इस इंजन का संयुक्त उत्पादन करें। दोनों देश जेवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल और स्ट्राइकर आर्मर्ड व्हीकल जैसे प्रमुख रक्षा प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को लेकर भी बात होगी।

'कानून में बदलाव वक्त और वक्फ दोनों की जरूरत', नकवी बोले- 'टच मी नॉट' की राजनीति से आना होगा बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर जारी राजनीतिक विवाद के बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि यह विधेयक समय की मांग है। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गुरुवार (22 अगस्त) को पहली बार बैठक करने की तैयारी कर रही है, जिसमें हाल ही में संपन्न संसद सत्र के दौरान मोदी सरकार द्वारा पेश किए गए वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा की जाएगी।

यह विधेयक भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है और पार्टी के रणनीतिकार चाहते हैं कि इसे संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पारित कर दिया जाए। हालांकि, बहुत कुछ जेपीसी की रिपोर्ट पर भी निर्भर करता है। भाजपा को न केवल विपक्षी दलों को साथ

लाना है, बल्कि चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान जैसे सहयोगियों को भी विधेयक का समर्थन करने के लिए राजी करना है। नकवी ने कहा कि इस पूरी व्यवस्था (वक्फ बोर्ड की) को 'छूओ मत' की राजनीति से बाहर आना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार वक्फ व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यह विधेयक लेकर आई है।

विपक्षी दलों और कुछ सहयोगी दलों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए नकवी ने कहा कि यह पहली बार नहीं है कि वक्फ कानूनों में संशोधन किया जा रहा है, पहले भी संशोधन किए गए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल और अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान संशोधन किए गए थे। सरकार द्वारा पेश किए गए विधेयक पर विस्तार से चर्चा, विचार-विमर्श और विश्लेषण होना चाहिए, इसीलिए इसे जेपीसी के पास भेजा गया है। जेपीसी एक संवैधानिक संस्था है और इसकी बैठकों में इस विधेयक पर खुले मन से चर्चा होनी चाहिए। किसी भी राजनीतिक दल के पास जो भी तर्क होंगे, वे जेपीसी की बैठकों में सामने आएंगे।

विधेयक को सांप्रदायिक रंग देने के 'प्रयासों' का विरोध करते हुए उन्होंने कहा कि इसे लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं और भ्रम पैदा करने की कोशिश की जा रही है, इसलिए सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए इस पर गहन चर्चा के लिए इसे जेपीसी के पास भेजा गया है। उन्होंने कहा कि यह संशोधन समय की मांग है और यह नहीं माना जाना चाहिए कि किसी पर हमला किया जा रहा है या यह विधेयक किसी के खिलाफ है।

नक्सलवाद पर फाइनल चोट करने की तैयारी, दो दिन के दौरे पर छत्तीसगढ़ जाएंगे अमित शाह, प्रभावित राज्यों के साथ करेंगे बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 24 और 25 अगस्त को छत्तीसगढ़ के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे नक्सल विरोधी अभियानों, रणनीतियों और माओवाद प्रभावित राज्यों में विकास पर उच्च स्तरीय बैठकें करेंगे। शाह अपने दौरे के दौरान पुलिस, अर्धसैनिक बलों और अन्य विभागों के प्रमुखों के साथ बैठक करेंगे। शाह के दौरे का विस्तृत प्रोटोकॉल जल्द ही पार्टी द्वारा जारी किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री 23 अगस्त की शाम को छत्तीसगढ़ पहुंचेंगे और 24 और 25 अगस्त को बैठकें करेंगे, जिसके बाद वे 25 की शाम को वापस लौटेंगे।

इस बैठक में छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के पुलिस प्रमुखों के शामिल होने की संभावना है। इन राज्यों में नक्सलवाद पर लगाम लगी है। इसके अलावा, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के प्रमुख अनीश दयाल सिंह के भी इन दोनों बैठकों में शामिल होने की उम्मीद है। 25 अगस्त को गृह मंत्री सुबह समीक्षा बैठक के बाद रायपुर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। गृह मंत्री 24 अगस्त को छत्तीसगढ़ में सहकारिता के विस्तार पर एक बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे।

नक्सल विरोधी बैठक ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब गृह मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वामपंथी उग्रवाद हिंसा का भौगोलिक प्रसार काफी हद तक कम हो गया है। 2013 में 10 राज्यों में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या 126 थी, जो 2024 में घटकर केवल 38 रह गई है (अप्रैल-2024 से) जो नौ राज्यों में है- छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल।

बताया जा रहा है कि शाह नया रायपुर में कई विभागों के प्रमुख सचिवों और सचिवों, डीजीपी और राज्य तथा देश के अन्य नक्सल प्रभावित

राज्यों के पुलिस प्रमुखों के साथ बैठक करेंगे। बैठक में नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात अर्धसैनिक बलों के अधिकारी भी शामिल होंगे। गृह मंत्री के दौरे की तैयारियां जोरों पर हैं।

जब... पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में घुसी भीड़

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ईश निंदा के फैसले से नाराज सैकड़ों कट्टरपंथियों की भीड़ ने सुप्रीम कोर्ट पर धावा बोल दिया। इन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा की आलोचना की। उन्होंने एक अहमदिया व्यक्ति को राइट टु रिलीजन के तहत ईशनिंदा के आरोपों से बरी किया था। यह घटना सोमवार की है, लेकिन मीडिया पर इसका वीडियो अब सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ प्रदर्शन का नेतृत्व आलमी मजलिस तहफ्फुज-ए-नबूवत कर रही थी। इसमें उनका साथ जमात-ए-इस्लामी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के नेता भी दे रहे थे। वे पाकिस्तान के चीफ जस्टिस का इस्तीफा मांग रहे थे। उनकी मांग थी कि अदालत अपने फैसले को बदले। रिपोर्ट में कहा गया कि हजारों प्रदर्शनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर सुरक्षा घेरे को तोड़ दिया। वे इमारत के नजदीक पहुंच गए। उन्हें कोर्ट में घुसने से रोकने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन, आंसू गैस और लाठीचार्ज का सहारा लिया। अब प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संगठन आलमी मजलिस ने सुप्रीम को अपने फैसले की समीक्षा के लिए सात सितंबर तक का वक्त दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक विवाद की शुरुआत इस साल 6 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले से हुई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अहमदिया समुदाय के मुबारक अहमद सानी को रिहा करने का आदेश दिया था। सानी को जनवरी 2023 में गिरफ्तार किया गया था। सानी पर आरोप था कि उसने 2019 में एक कॉलेज में एफसीर-ए-सगीर बांटा था। एफसीर-ए-सगीर, अहमदिया समुदाय से जुड़ी एक धार्मिक किताब है। इसमें अहमदिया संप्रदाय के संस्थापक के बेटे मिर्जा बशीर अहमद ने कुरान की व्याख्या अपने हिसाब से की है। सानी को कुरान (प्रिंटिंग एंड रिकॉर्डिंग) (संशोधन) एक्ट, 2021 के तहत गिरफ्तार किया गया था।

क्या है मदीना मॉडल.....भारत में दिखाई देती है जिसकी खूबसूरती, जमात-ए-इस्लामी के नेता का बयान

ढाका। जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. शफीकुर रहमान का कहना है कि 'हम विचारधारा पर चलने वाली पार्टी हैं। कोशिश होगी कि बांग्लादेश को अपनी विचारधारा से चलाएं। इस्लाम हर किसी को जगह देता है। ये देश में सिर्फ मुस्लिमों को ही रहने क इजाजत नहीं देता, बल्कि हर कम्युनिटी सुरक्षा और सम्मान के साथ रह सकती है। यही मदीना मॉडल है। भारत में भी आप इस्लाम की खूबसूरती देख सकते हैं।' बांग्लादेश में जो हुआ उसके पर कहते हैं कि यह छात्रों की ताकत थी। वे अपना अधिकार मांग रहे थे। उनकी मांग सही थी, लेकिन शेख हसीना सरकार ने सख्ती दिखाई। सरकार के रवैए की वजह से आंदोलन हिंसक हो गया। कितनी जानें चली गईं। फोर्स के लोगों की भी मौत हुई है। बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामिक राजनैतिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. रहमान ने कहा कि बांग्लादेश को संविधान और लोकतंत्र से चलना चाहिए या इस्लामिक कानून से जैसे सवाल पर उन्होंने अपनी दलील रखी है। जमात के लीडर्स पर कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यकों पर हमले के आरोप लगते रहे हैं। आरोप ये भी है कि शेख हसीना के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शन में जमात का कैडर शामिल था। जमात-ए-इस्लामी खुद को पाकिस्तान परस्त बताती रही है। हालांकि डॉ.रहमान ने कहा कि पाकिस्तान के लिए कुछ भी स्पेशल नहीं है। भारत के बारे में कहा कि हम बराबरी वाला रिश्ता रखना चाहते है।

दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला की 117 वर्ष की उम्र में मौत

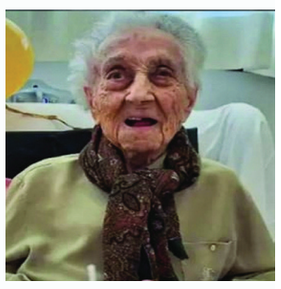

मैड्रिड । अमेरिकी मूल की स्पेनिश महिला ब्रान्यास का 117 साल की उम्र में निधन हो गया है। जेरोनटोलॉजी रिसर्च ग्रुप के अनुसार पिछले वर्ष फ्रांसीसी नन ल्यूसिल की मृत्यु होने के पश्चात ब्रान्यास दुनिया की सबसे बुजुर्ग महिला थी। उनके परिवार जनों का कहना है। वह जैसे अपनी मृत्यु को चाहती थी। वैसी ही उन्हें मृत्यु मिली है।पूरे होशो हवास में उनकी मृत्यु हुई है।

पश्चिमी टेक्सास में विमान बिजली के खंबे से टकराकर गिरा, दो की मौत

टेक्सास। पश्चिमी टेक्सास के पास छोटा विमान क्रेश हो गया। दुर्घटना में विमान पायलट और एक यात्री की मौत हो गई। एक महिला घायल भी हुई है। मीडिया रिपोर्ट में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ओडेसा एयरपोर्ट से उड़ान भरने के बाद विमान ज्यादा ऊंचाई तक नहीं जा सका और एक बिजली के खंभे से जा टकराकर एक गली में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पायलट ने घरों को बचाने की पूरी कोशिश की। विमान में दुर्घटना के बाद विस्फोट हुए और विमान का मलबा नीचे गिरा जिससे कुछ मकानों में आग लग गई। एक जलते हुए घर से महिला को बचाया गया वह आग से झुलस गई थी उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग से वाहनों, तारबंदी और एक रेस्तरां को भी नुकसान पहुंचा है। टेक्सास लोक सुरक्षा विभाग ने पायलट की पहचान ह्यूस्टन के उपनगर बेलेयर निवासी जोसेफ विंसेंट सुम्मा (48) के रूप में की और यात्री की पहचान ह्यूस्टन के पूर्व में स्थित ऑरेंज निवासी जोलीन कैवेरेटा वेदरली (49) के रूप में की गई है। संघीय विमानन प्रशासन ने कहा कि विमान सेसना साइटेशन बिजनेस जेट था। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस मामले की जांच करेगा।

क्या है मदीना मॉडल.....भारत में दिखाई देती है जिसकी खूबसूरती

-जमात-ए-इस्लामी के नेता का बयान

ढाका । जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. शफीकुर रहमान का कहना है कि 'हम विचारधारा पर चलने वाली पार्टी हैं। कोशिश होगी कि बांग्लादेश को अपनी विचारधारा से चलाएं। इस्लाम हर किसी को जगह देता है। ये देश में सिर्फ मुस्लिमों को ही रहने क इजाजत नहीं देता, बल्कि हर कम्युनिटी सुरक्षा और सम्मान के साथ रह सकती है। यही मदीना मॉडल है। भारत में भी आप इस्लाम की खूबसूरती देख सकते हैं।' बांग्लादेश में जो हुआ उसके पर कहते हैं कि यह छात्रों की ताकत थी। वे अपना अधिकार मांग रहे थे। उनकी मांग सही थी, लेकिन शेख हसीना सरकार ने सख्ती दिखाई। सरकार के रवैए की वजह से आंदोलन हिंसक हो गया। कितनी जानें चली गईं। फोर्स के लोगों की भी मौत हुई है। बांग्लादेश की सबसे बड़ी इस्लामिक राजनैतिक पार्टी जमात-ए-इस्लामी के प्रेसिडेंट डॉ. रहमान ने कहा कि बांग्लादेश को संविधान और लोकतंत्र से चलना चाहिए या इस्लामिक कानून से जैसे सवाल पर उन्होंने अपनी दलील रखी है। जमात के लीडर्स पर कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और अल्पसंख्यकों पर हमले के आरोप लगते रहे हैं। आरोप ये भी है कि शेख हसीना के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शन में जमात का कैडर शामिल था। जमात-ए-इस्लामी खुद को पाकिस्तान परस्त बताती रही है। हालांकि डॉ.रहमान ने कहा कि पाकिस्तान के लिए कुछ भी स्पेशल नहीं है। भारत के बारे में कहा कि हम बराबरी वाला रिश्ता रखना चाहते है।

यूक्रेन में रुसी ड्रोन हमले में धवस्त एक ढ़ांचागत केन्द्र में लगी आग बुझाते हुए दमकलकर्मी।

हम सब मिलकर आगे बढ़ने का नया रास्ता तैयार करेंगे, अमेरिका राष्ट्रपति पद का चुनाव : हैरिस के समर्थन में उतरे ओबामा

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए नवंबर में चुनाव होना है। इसके लिए चुनाव प्रचार अभियान जोरों पर है। बाइडेन के बाद राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने विस्कॉन्सिन में एक जनसभा की। वहीं पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा ने शिकागो में हैरिस के समर्थन में लोगों को संबोधित किया। ओबामा ने शिकागो में 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेशन में कहा कि मुझे उम्मीद है आप हैरिस के पक्ष में हैं। इससे पहले मिशेल ने जनसभा में कहा कि हवा में कुछ जादुई सा है, क्या ऐसा नहीं है? उन्होंने कहा कि अमेरिका में उम्मीद लौट रही है। इससे पहले, राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार हैरिस ने विस्कॉन्सिन में कहा कि वह एक जन-संचालित प्रचार अभियान कर रही हैं। विस्कॉन्सिन में पिछले महीने रिपब्लिकन पार्टी का सम्मेलन हुआ था। हैरिस ने कहा कि हम सब मिलकर आगे बढ़ने का नया रास्ता तैयार करेंगे। स्वतंत्रता, अवसर, आशावाद और विश्वास का भविष्य बनाएंगे। वहीं अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा कि इतिहास जो बाइडन को एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद रखेगा, जिन्होंने खतरे के समय में लोकतंत्र की रक्षा की। जो, शुक्रिया। मुझे उन्हें अपना राष्ट्रपति कहने में गर्व होता है, लेकिन मुझे उससे भी ज्यादा गर्व इस बात पर है कि वह मेरे मित्र हैं। सांसद चक शूमर और बर्नी सैंडर्स ने भी हैरिस की तारीफ की। इस प्रचार अभियान में डोनाल्ड ट्रंप की पूर्व प्रेस सचिव और उनकी कट्टर आलोचक स्टेफनी ग्रिशम ने भी हैरिस की तारीफ करते हुए कहा कि ट्रंप में कोई सहानुभूति, कोई नैतिकता और सच्चाई के प्रति कोई निष्ठा नहीं है। मैं अपनी पार्टी से ज्यादा अपने देश से प्यार करती हूं। हैरिस सच बोलती है। वह अमेरिकी लोगों का सम्मान करती है और मेरा वोट उनके साथ है।

फिर जगी उम्मीद... इजरायल और हमास के बीच शांतिवार्ता के प्रयास

-अमेरिका के नेतृत्व में अगले सप्ताह काहिरा में बैठक

गाजा (एजेंसी)। इजरायल और हमास के बीच पिछले हफ्ते दोहा में एक शांति वार्ता हुई थी। जिसमें दोनों देशों के बीच सीजफायर को लेकर एक ड्राफ्ट तैयार हुआ। तब कहा गया था कि अगले हफ्ते मिस्र के काहिरा शहर में जो वार्ता होगी, उसमें सीजफायर का ऐलान होगा। शांति वार्ता में शामिल होने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इजरायल की राजधानी तेल अवीव पहुंच चुके हैं। अमेरिका के अलावा शांति वार्ता में मिस्र और कतर भी शामिल हैं। अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों को यकीन है कि इस बार जंग रोकने के लिए कोई न कोई हल जरूर निकलेगा।

एक ओर सीजफायर का ऐलान होने की बात हो रही है। वहीं, इजरायल ने हमास पर रॉकेटों की बारिश कर दी है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी शहर जबालिया में एक रिहायशी इमारत के दो अपार्टमेंट्स पर हमला हुआ, जिसमें एक ही परिवार के कम से कम 19 लोग मारे गए। उधर, जेनिन में इजरायली सेना ने ड्रोन से हमला कर हमास के दो कमांडरों को मार गिराया। मारे गए दोनों लोग हमास के लोकल कमांडर राफत दवासी और अहमद अबू आरा हैं।

बातचीत कौन कर रहा है?

इजरायल के प्रतिनिधिमंडल में आमतौर पर मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया शामिल होते हैं। उनके अलावा रोनेन बार, शिन बेट या आंतरिक सुरक्षा सेवाओं के प्रमुख और मेजर जनरल नित्ज़न अलोन बंधक मामलों के लिए सेना के प्रतिनिधि के तौर पर होते हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के सहयोगी ओफिर फाल्क ने भी प्रधानमंत्री की आंख और कान के रूप में कुछ वार्ताओं में भाग लिया है। पिछले दौर में, बातचीत करने वाली टीम के सदस्यों ने कथित तौर पर फॉल्क को बैठकों में शामिल करने से इंकार किया था।

हमास की टीम का नेतृत्व अनौपचारिक विदेश मंत्री खलील अल-हया करते हैं, जो कतर में रहते हैं। हय्या राजनीतिक प्रमुख हनिएह की करीबी थीं, जिनकी पिछले महीने हत्या कर दी गई थी। गाजा में अपने संकटग्रस्त नेता याह्या सिनवार को पोलित ब्यूरो का नया प्रमुख बनाने के समूह के फैसले का वार्ता पर बहुत कम व्यावहारिक प्रभाव है, लेकिन कुल मिलाकर यह समूह की ओर से अधिक कठोर रुख का संकेत है। वार्ता की मध्यस्थता अमेरिका, कतर और मिस्र ने की है। सीआईए के निदेशक, विलियम बर्न्स, कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री, शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और मिस्र के खुफिया प्रमुख और राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सिसी के दाहिने हाथ अब्बास कामेल ने अधिकांश वार्ताओं में भाग लिया है।

क्या हुआ था नवंबर में

पिछले साल नवंबर में इजरायल और हमास के बीच संघर्ष विराम केवल एक सप्ताह में समाप्त हो गया था। तुरंत ही हमास ने इजरायल पर रॉकेटों की बौछार की और इजराइली सेना ने गाजा पट्टी में युद्ध अभियान फिर से शुरू कर दिया। एक बात बिल्कुल स्पष्ट हो गई युद्ध जल्द समाप्त नहीं होगा। प्रत्येक पक्ष ने वार्ता में विफलता के लिए दूसरे को दोषी ठहराया। हमास द्वारा संचालित गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि इजरायली हवाई हमलों में 15,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं।

बाइडेन ने भावुक होकर डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान कमला को सौंपी

-अमेरिका इतिहास में ऐतिहासिक राष्ट्रपति' साबित होंगी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेटिक पार्टी की कमान आधिकारिक तौर पर उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को सौंप दी। उन्होंने कमला को लोकतंत्र की रक्षा के लिए सबसे उपयुक्त करार देकर कहा कि वे एक 'ऐतिहासिक राष्ट्रपति' साबित होंगी। बाइडन जब यह ऐलान कर रहे थे, तब माहौल काफी भावुक था। इस दौरान बाइडन की बेटी एशले उनका हाथ थामे दिखीं, वहीं भावुक बाइडन अपने आंसू पोंछते दिखाई दिए। 81 साल के बाइडन जब शिकागो में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में पहुंचे, तब वहां मौजूद हजारों नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान लोगों ने प्लेकॉर्ड ले रखा था, जिसमें लिखा था, 'वी लव जो।

इस दौरान मंच पर बाइडन का हाथ थामे उनकी बेटी एशले ने कहा, आप हमेशा हमें बताते हैं, लेकिन हम आपको उतना नहीं बताते कि आप हमारी जिंदगी का प्यार हैं और हमारे प्यार की जिंदगी। बेटी के ये शब्द सुनते ही बाइडन की आंखों से आंसू छलक उठे। उन्होंने शिकागो कन्वेंशन में उत्साह से भरपूर नेताओं और कार्यकर्ताओं से सवाल किया, 'क्या आप कमला को अमेरिकी की राष्ट्रपति चुनने के लिए तैयार हैं। उन्होंने देशवासियों से कमला के पक्ष में मतदान करने की अपील भी की।

बाइडन ने दावा किया कि कमला एक ऐतिहासिक' राष्ट्रपति साबित होंगी। उन्होंने कहा, मुझे अपने काम से प्यार है। हमें अपने लोकतंत्र को बचाए रखने की जरूरत है।हमें डोनाल्ड ट्रंप को हराने और कमला और टिम (वाल्ज) को को चुनने के लिए आपकी जरूरत है। बाइडन ने कहा कि ट्रंप को 2024 में महिलाओं की ताकत का अंदाजा लगेगा। उन्होंने कहा कि कमला जल्द अमेरिका की 47वीं राष्ट्रपति के रूप में सेवाएं देंगी।

इस दौरान बाइडन ने ट्रंप पर निशाना साधकर कहा कि वे एक असफल राष्ट्रपति थे। पूर्व राष्ट्रपति पर अमेरिकी इतिहास के सबसे मजबूत सीमा सुरक्षा बिल को खारिज करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, अमेरिका जीत रहा है।अमेरिका समृद्ध है। ट्रंप के (राष्ट्रपति) कार्यकाल की तुलना में अमेरिका आज अधिक सुरक्षित है।

ह्यूस्टन में हनुमानजी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा

ह्यूस्टन (एजेंसी)। ह्यूस्टन में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 90 फीट ऊंची हनुमान जी की मूर्ति का अनावरण हुआ है। इस प्रतिमा का नाम स्टैच्यू ऑफ यूनियन रखा गया है। जानकारी के मुताबिक यह मूर्ति श्री राम और सीता के पुनर्मिलन में भगवान हनुमान की भूमिका को याद करती है। इस प्रतिमा का नाम 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन' रखा गया है। यह मंदिर टेक्सास के शुगर लैंड में श्री अष्टलक्ष्मी मंदिर में बनाया गया है। टेक्सास के ह्यूस्टन में हनुमान जी की विशाल प्रतिमा को लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार ये अमेरिका में हनुमान जी की तीसरी सबसे बड़ी मूर्ति है। इस प्रतिमा का नाम 'स्टैच्यू ऑफ यूनियन रखा गया है। इस परियोजना के पीछे दूरदर्शी परम पावन श्री चिन्नाजीयर स्वामीजी हैं।

जब तक स्वयंसेवी लड़ाके मेरे पास मुझे कोई हरा नहीं सकता: पुतिन

-अचानक चेचन्या पहुंचे रुसी राष्ट्रपति, दबंग नेता रमजान से मिले

ब्रोजनी (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेचन्या का अचानक दौरा किया। यह करीब पिछले 13 साल में चेचन्या का उनका पहला दौरा है। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब यूक्रेन सीमा पार से पश्चिमी रूस में तीन सप्ताह से लगातार हमले कर रहा है।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के आक्रमण से युद्ध की दिशा बदल रही है। इस आक्रमण के अंतिम परिणाम की भविष्यवाणी करना अभी संभव नहीं है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद रूस पर किया गया यह पहला हमला है। पुतिन का स्वागत चेचन्या के दबंग नेता रमजान कादिरोव ने किया। पुतिन ने वहां विशेष बल अकादमी का दौरा किया और यूक्रेन में तैनात होने से पहले वहां प्रशिक्षण लेने वाले स्वयंसेवी लड़ाकों से बातचीत की। इस अकादमी का नाम पुतिन के नाम पर ही रखा गया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने इन स्वयंसेवी लड़ाकों की तारीफ की और कहा कि जब तक रूस के पास उनके जैसे लोग मौजूद हैं, तब तक उसे कोई हरा नहीं सकता। कादिरोव ने एक पोस्ट में कहा कि मॉस्को ने यूक्रेन में अपना विशेष सैन्य अभियान शुरू करने के बाद से स्वयंसेवकों समेत 47,000 से ज्यादा लड़ाके इस केंद्र में ट्रेनिंग ले चुके हैं। चेचन्या के लड़ाके यूक्रेन के साथ संघर्ष में दोनों पक्षों की ओर से लड़ रहे हैं

बता दें सोवियत संघ के पतन के बाद आजादी के समर्थक लड़ाकों का रूसी बलों के साथ सालों तक युद्ध चला। दिवंगत चेचन नेता जोखर दुदायेव के वफादार कीव समर्थक स्वयंसेवक पुतिन और कादिरोव का समर्थन करने वाली चेचन सेना के कट्टर दुश्मन हैं। जोखर दुदायेव आजादी समर्थक नेता थे। पुतिन कादिरोव के पिता और पूर्व चेचन नेता अखमत कादिरोव की कब्र और ग्रोज्नी की एक मस्जिद में भी गए।

थैंक यू जो, वी लव यू... के नारों के बीच इमोशनल हुए वाइडेन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का फेयरवेल कार्यक्रम का आयोजन था। इस मौके पर वी लव यू... के नारों से पूरा सभागार गूंज गया। वाइडेन के प्रति लोगों को लगाव और स्नेह ने उन्हे भावुक कर दिया। डेमोक्रेटिक पार्टी के हजारों लोग मौजूद थे और सभी ने जो बाइडेन के सम्मान में खड़े होकर विदाई दी। शिकागो में डेमोक्रेटिक पार्टी का नेशनल कन्वेंशन था, जिसमें जो बाइडेन के लिए फेयरवेल का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी ने राष्ट्रपति के तौर पर जो बाइडेन की सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया। खासतौर पर पार्टी के तमाम नेताओं ने राष्ट्रपति पद की रेस से पीछे हटने के लिए उनकी सराहना की।

जो बाइडेन ने कहा कि मैं इस बात के लिए आभारी हूं कि मुझे मौका दिया गया। मुझसे कुछ गलतियां भी हुई हैं, लेकिन पूरी मेहनत की है। मैंने बीते 50 सालों से देश की राजनीतिक व्यवस्था में काम किया। वहीं कमला हैरिस की जमकर तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि यह मेरा सही फैसला था। वह अनुभवी और कठिन फैसले लेने वाली हैं। उनकी कहानी अमेरिका की कहानी का प्रतिनिधित्व करती है।

जो बाइडेन एक डिबेट में लगभग सो गए थे। इसके अलावा वह बीमार रह रहे थे। उन्होंने अपनी बढ़ती उम्र का हवाला देते हुए अंत में खुद को राष्ट्रपति पद की रेस से पीछे खींच लिया था और कमला हैरिस का नाम आगे बढ़ाया था। अब डोनाल्ड ट्रंप के मुकाबले डेमोक्रेटिक पार्टी से कमला हैरिस ही उम्मीदवार हैं। जो बाइडेन की फेयरवेल पार्टी में कमला हैरिस भी भावुक दिखीं। वहीं जो बाइडेन की तो आंखों से आंसू बहते दिखे। जो बाइडेन ने विदाई भाषण में अपने कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं तो वहीं डोनाल्ड ट्रंप की जीत होने की स्थिति में लोकतंत्र को लेकर चिंता जताई।उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि स्थिति विपरीत है, जब एक राष्ट्रपति जा रहा है और यह डेमोक्रेटिक पार्टी में पीढ़ीगत बदलाव का दौर है। जो बाइडेन ने कहा, यह मेरे लिए पूरी जिंदगी सम्मान की बात रहेगी कि मैंने राष्ट्रपति के तौर पर काम किया। मैंने अपने काम से प्यार किया है, लेकिन देश से उससे भी ज्यादा प्यार करता हूं। मैं अपने देश को बहुत प्यार करता हूं। यही नहीं उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति पद की रेस से हटते हुए मेरे मन में कोई गुस्सा या मलाल नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी सारी खबरें गलत हैं, जिसमें कहा जा रहा है कि मैं उन लोगों से नाराज हूं जिन्होंने मुझे हटने के लिए कहा।

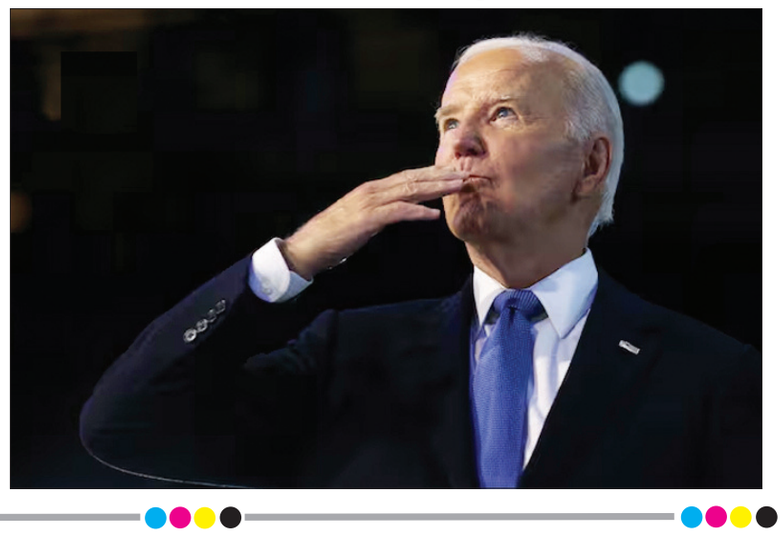

भारत चुनाव आयोग ने कांग्रेस की शिकायत पर लिया एक्शन, हरियाणा में 5600 पुलिस भर्तियों पर लगी रोक

चंडीगढ़-हरियाणा में चुनाव आचार संहिता के दौरान हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन और हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन की सरकारी भर्तियों पर भारत चुनाव आयोग ने बड़ा एक्शन लिया है।

भारत चुनाव आयोग ने कांग्रेस सांसद जयराम रमेश की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए राज्य में विधानसभा चुनाव पूरा होने तक हरियाणा में चल रही भर्ती प्रक्रिया के परिणाम की घोषणा पर रोक लगा दी है। आयोग ने HSSC द्वारा हरियाणा पुलिस में कॉन्स्टेबल के 5600 पदों, TGT और PTI के 76 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पर यह कार्रवाई की है। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर लगी आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के संबंध में कांग्रेस सांसद ने शिकायत की थी। शिकायत के बाद आयोग ने राज्य सरकार से इस मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी, जिसकी जांच के बाद राज्य सरकार द्वारा दिए गए तथ्यों का पता लगने पर आदर्श आचार संहिता का भर्ती प्रक्रिया में कोई उल्लंघन नहीं मिला है।

पंचतत्व में विलीन हुए शहीद सीआरपीएफ इंस्पेक्टर कुलदीप कुमार, शहरवासियों ने नम आंखों से दी अंतिम विदाई

जींद । हरियाणा के जींद जिले के रहने वाले शहीद सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स में तैनात इंस्पेक्टर कुलदीप मलिक को आज अंतिम विदाई दी गई। उनका जींद के पैतृक गांव निड़ानी में अंतिम संस्कार किया गया, जहां बेटे ने उन्हें मुखाग्नि दी। उनकी पत्नी लक्ष्मी ने पार्थिव देह को सेल्यूट कर वंदे मातरम का नारा लगाया। ग्रामवासियों ने नम आंखों से विदाई दी। शहीद कुलदीप मलिक बहुत बढ़िया लड़का था, जब आता था तो सबको राम-राम करके जाता था। इंस्पेक्टर कुलदीप सोमवार को जम्मू-कश्मीर के उधमपुर के बसंतगढ़ इलाके में हुए आतंकी हमले में शहीद हो गए थे। आज सुबह उनकी पार्थिव देह गांव पहुंची। पिता की शहादत पर बेटे ने कहा कि हर दिन कोई न कोई अपना बेटा या पिता खो रहा है, हमें पाकिस्तान से बदला लेना चाहिए। जानकारी के मुताबिक कुलदीप जींद के निड़ानी गांव का रहने वाले थे। इंस्पेक्टर कुलदीप खेल कोटे से भर्ती हुए थे और 34 साल से नौकरी में थे। उनकी उम्र लगभग 54 साल बताई जा रही है। कुलदीप अगले महीने डीएसपी कोर्स पर जाने वाले थे। उनका एक बेटा आर्मी में तो दूसरा बेटा रेलवे पुलिस में है।

2 बेटे, एक सेना तो दूसरा रेलवे पुलिस में

उनके 2 भाई दिलबाग और सतपाल गांव में ही खेती करते हैं। कुलदीप के बड़े बेटे नवीन सेना में ड्राइवर के पद पर दिल्ली में तैनात हैं और छोटा बेटा संजय रेलवे पुलिस में अमृतसर में तैनात हैं। दोनों बेटे शादीशुदा हैं। कुलदीप की पत्नी का नाम लक्ष्मी देवी है।

हरियाणा में युवक की मौत, करंट लगने से हुआ हादसा...घर का इकलौता बेटा था मृतक

करनाल। करनाल में 26 साल के युवक की करंट लगने से मौत हो गई। इस हादसे के बाद मृतक के परिजन ने आरोप लगाया है कि यह हादसा बिजली विभाग की लापरवाही की वजह से हुआ है। घटना के बारे में पता लगते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई। जिसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक के पिता राजकुमार का कहना है कि 20 अगस्त मंगलवार की दोपहर को उनका 26 साल का बेटा निर्मल कुमार खेत में स्प्रे करने के लिए घर से निकला था। मृतक के पिता का कहना है कि गन्ने के खेत से बिजली की हाई वोल्टेज तार भी काफी नीचे से गुजर रही है। जिसके बारे में निर्मल को पता नहीं था। जब वह गन्ने के खेत में स्प्रे करने के लिए आगे बढ़ा तो उस समय अचानक से उसका स्प्रे पंप की नोजल बिजली के तारों से छू गई थी। जिसके बाद उसे बिजली का जोरदार झटका लगा। राजकुमार ने बताया कि निर्मल कुमार उनका इकलौता बेटा था। निर्मल का 3 साल का बेटा है। इस हादसे के लिए परिजन ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जुलाना में बदमाशों के हौसले बुलंद : दवाई विक्रेता से पिस्तौल के बल पर मांगी फिरौती, काउंटर पर लगाई आग

जुलाना। जुलाना क्षेत्र में पिछले कई महीनो से लगातार बदमाशों के हौसले बुलंद है अब एक नया ताजा मामला जुलाना के मेंन बाजार में दवाई विक्रेता को पिस्तौल के बल पर धमकी देने व काउंटर पर आग लगाने का सामने आया है। दुकानदार ने बताया कि सुबह 10-00 बजे दुकान पर अपने कर्मचारियों के साथ काम कर रहा था, तभी दो युवक आए और उन्होंने आते ही काउंटर पर एक मोबाइल रखा तथा कुछ तरल पदार्थ लिए हुए थे और एक कागज की पर कुछ लिखा हुआ था। जब तक मैं उनसे बात करता तब तक। उन्होंने कहा कि इस नंबर पर बात कर लेना और तरल पदार्थ गिरकर आग लगा दी। हम आग बुझाने के चक्कर में लग रहे, तो वह मौका देखकर फरार हो गये। पर्ची से लग रहा है कि वह फिरौती मांगना चाह रहे थे। घटना के बाद सभी दुकानदारों ने बाजार को बंद कर दिया है तथा आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरे की जांच की जा रही है। आढ़ती संगठन के पुर्व प्रधान राज्यपाल लाठर ने बताया कि बाजार में हुई घटना से क्षेत्र में बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं, इसके विरोध में पूरा बाजार को बंद कर दिया गया है, इस प्रकार की घटना करने वालों की तुरंत गिरफ्तारी हो तथा प्रशासन को आगे जाकर दुकानदारों की रक्षा करनी चाहिए, इस प्रकार की घटना की वह निंदा करते हैं तथा सभी दुकानदार भाई दुकानदार के साथ हैं। जुलाना थाना प्रभारी मुरारीलाल ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि बजरंग मेडिकल हॉल पर दो लड़के एक बाइक पर आए और उन्होंने मेडिकल स्टोर मालिक को धमकी दी है, इस संबंध में मेडिकल स्टोर मालिक द्वारा एक शिकायत पुलिस को दी है, जिस पर पुलिस ने दो अज्ञात युवकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

किरण चौधरी ने भरा नामांकन, 20 साल बाद पहुंचेंगी राज्यसभा

चंडीगढ़ । हरियाणा के पूर्व सीएम बंसीलाल की बहू पूर्व विधायक किरण चौधरी ने राज्यसभा सीट के उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान उनके साथ मुख्यमंत्री नायब सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली, सह -प्रभारी बिप्लब देब मौजूद रहे। किरण चौधरी के पास 20 साल बाद राज्यसभा जाने का मौका है।

इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सीएम सैनी ने कहा कि किरण चौधरी ने आज नामांकन दाखिल किया है। उनको बहुत-बहुत बधाई देता हूं। हमारे सभी विधायक यहां मौजूद हैं। अन्य विधायकों ने भी किरण चौधरी को समर्थन दिया। जोगीराम सिहाग, अनूप धानक, नयनपाल रावत ने भी समर्थन दिया। वहीं रामनिवास सूरजाखेड़ा, रामकुमार गौतम और गोपाल कांडा ने भी समर्थन दिया।

पार्टी ने सर्व समिति से फैसला लिया कि राज्यसभा में किरण जाएगी। नायब सैनी ने कहा कि अलग-अलग दल की अपनी राजनीति होती है, जितनी आवश्यकता होती है उससे ज्यादा विधायकों ने समर्थन दिया। किरण चौधरी का लंबा अनुभव रहा है। किरण चौधरी दिल्ली में विधानसभा अध्यक्ष भी रही है। वह हरियाणा के मुद्दों को प्रमुखता से राज्यसभा में उठाएंगी। राज्यसभा में भी हमारी ताकत बढ़ी है।

बता दें कि बीजेपी ने किरण को मंगलवार को उम्मीदवार घोषित किया। इससे पहले किरण ने भिवानी के तोशाम से कांग्रेस विधायक के पद से इस्तीफा दिया, जिसे हरियाणा विधानसभा के स्पीकर ज्ञानचंद गुप्ता ने स्वीकार कर लिया है। किरण चौधरी ने बेटी श्रुति चौधरी की भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से टिकट कटने के बाद कांग्रेस छोड़ दी थी। बीजेपी में शामिल होने के दो महीने बाद उन्हें राज्यसभा भेजा जा रहा है। यह राज्यसभा सीट रोहतक से लोकसभा चुनाव जीते कांग्रेस के दीपेंद्र हुड्डा के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। किरण के राज्यसभा जाने के बाद अब उनकी बेटी श्रुति चौधरी के तोशाम सीट से विधानसभा की दावेदारी पक्की मानी जा रही है। किरण चौधरी की राज्यसभा सीट पर एक-तरफा जीत पक्की है। कांग्रेस विधानसभा में पर्याप्त विधायक न होने की बात कहकर उम्मीदवार उतारने से इनकार कर चुकी है।

बीजेपी विधायक दल की मीटिंग में लगी मुहर

किरण चौधरी के नाम को लेकर मंगलवार को चंडीगढ़ में भाजपा विधायक दल की मीटिंग हुई। जिसमें सर्वसम्मति से उनके नाम पर मुहर लगाई गई। वहीं किरण चौधरी को इसके बारे में पहले बता दिया गया था, इसलिए उन्होंने विधायक पद छोड़ दिया।

रणजीत चौटाला पर गोपाल कांडा का कटाक्ष, बोले- हिसार जैसी आसान सीट भी नहीं जीत सके, इनका कोई जनाधार नहीं है

कालांवाली। हरियाणा के रानियां विधानसभा को लेकर भाजपा नेता रणजीत चौटाला और उसकी सहयोगी पार्टी हलोपा के नेता गोपाल कांडा आमने-सामने आ गए हैं। रणजीत चौटाला ने इसकी शुरुआत तब की जब हलोपा ने रानियां सीट से प्रत्याशी घोषित किया। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए चौटाला ने कहा था कि हलोपा का कोई जनाधार नहीं है। उन्होंने कहा कि हलोपा के गोपाल कांडा तो सिरसा सीट पर भी मुश्किल से जीत रहे हैं और मैं देवीलाल का बेटा हूं, प्रदेश की 90 सीटों पर हार जीत का दम रखता हूं। रणजीत चौटाला की तीखी बयानबाजी पर गोपाल कांडा ने वीडियो संदेश जारी कर पलटवार किया। गोपाल कांडा ने कहा कि रणजीत सिंह का 90 सीटों पर जनाधार नहीं बल्कि बंटाधार है।

गोपाल कांडा ने कहा कि भाजपा ने इन पर विश्वास किया और उन्हें हिसार

लोकसभा सीट से उतारा था लेकिन उन्होंने जीती हुई सीट हरा दी। इसके बाद में कह रहे हैं कुलदीप ने हरवा दिया, कैप्टन ने हरवा दिया। कांडा ने कहा कि रणजीत सिंह का कोई जनाधार नहीं है। अगर वे रानियां से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ते हैं तो उनकी जमानत भी जब्त हो जाएगी। गोपाल कांडा ने कहा कि 8 चुनाव हारने के बाद अजय सिंह, अभय सिंह और पूरे परिवार ने पिछले चुनाव में मेरी मदद की, जिसकी बदौलत रणजीत चौटाला जीते। सीएलयू संबंधित बयान पर गोपाल कांडा ने कहा कि मनोहर लाल के कार्यकाल में रणजीत सिंह मेरा एक भी CLU साबित कर दें, तो वो मैं वो CLU उन्हीं के नाम कर दूंगा।

जानें क्यों कांडा और रणजीत के बीच बढ़ा विवाद

दरअसल रणजीत चौटाला ने रानियां से निर्दलीय विधायक का चुनाव जीता था। इसके बाद लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वह भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा ने उन्हें हिसार से लोकसभा उम्मीदवार बनाया। लेकिन रणजीत चौटाला कांग्रेस के जयप्रकाश से हार गए। रणजीत चौटाला ने लोकसभा चुनाव से पहले विधानसभा पद से इस्तीफा दे दिया था। हार के बाद रणजीत चौटाला फिर से रानियां की जनता के बीच गए। इसके बाद हरियाणा में विधानसभा चुनाव की घोषणा हो गई। गोपाल कांडा की पार्टी हलोपा ने भाजपा नेता गोबिंद कांडा के बेटे धवल कांडा को रानियां से अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। इससे रणजीत चौटाला भड़क गए और तब से वे कांडा परिवार पर निशाना साध रहे हैं।

हरियाणा : चुनाव प्रबंधन समिति का गठन कर कुलदीप बिश्नोई को संयोजक तो कृष्ण पंवार को सहसंयोजक किया नियुक्त

रोहतक। हरियाणा में विधानसभा के चुनाव की घोषणा के बाद बीजेपी के प्रदेश कार्यालय में लगातार मीटिंगों का दौर जारी है। चुनाव की तैयारी में जुटी बीजेपी ने चुनाव प्रबंधन समिति का गठन किया जिसमें संयोजक के रूप में कुलदीप बिश्नोई को जिम्मेवारी मिली है। यह समिति चुनाव में होने वाले सभी गतिविधियों पर काम करेगी। इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी 25 अगस्त को 20000 बूथों पर शिरकत करेंगी और पार्टी के बड़े नेता व कार्यकर्ता शामिल होंगे।

वहीं बीजेपी द्वारा चुनाव प्रबंधन समिति का गठन कर दिया गया है जिसमें 30 सदस्य होंगे। कुलदीप बिश्नोई को संयोजक का पदभार दिया गया है। इसके अलावा कृष्ण लाल पवार और एडवोकेट वेदपाल सहसंयोजक के रूप में काम करेंगे। राज्यसभा सांसद कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि प्रदेश में तीसरी बार भी भाजपा की सरकार बनेगी, क्योंकि पूरे प्रदेश में प्रत्येक वर्ग बीजेपी से खुश है और भारी समर्थन मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दिया जा रहा है। उन्होंने पार्टी में टिकट का पैमाना तय करने के सवाल को लेकर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व चुनाव प्रबंधक कमेटी टिकट वितरण पर विचार करेगी और योग्य उम्मीदवारों को ही टिकट दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आखिरी फैसला भाजपा संगठन का होगा।

2 साल के भीतर बीजेपी-जेजेपी जैसे दलों से 45 विधायक और पूर्व विधायकों ने ज्वाइन की कांग्रेस: चौ. उदयभान

चंडीगढ । शाहबाद से विधायक रामकरण काला ने आज अपने हजारों समर्थकों और दर्जनों जेजेपी नेताओं के साथ कांग्रेस ज्वाइन कर ली। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष चौधरी उदयभान के नेतृत्व में रामकरण काला ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। आज खरखौदा से 2014 चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार रहे कुलदीप काकराण,जय सिंह बिश्नोई पूर्व सूचना आयुक्त ने भी पार्टी छोड़कर कांग्रेस ज्वाइन की। इस मौके पर सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी विशेष तौर पर मौजूद रहे।

हुड्डा और चौ. उदयभान ने पार्टी में आए सभी नेता व कार्यकर्ताओं का स्वागत किया और उन्हें पूर्व मान-सम्मान का भरोसा दिलाया। हुड्डा ने कहा कि तमाम नेताओं ने सही समय पर सही फैसला लिया है। यह फैसला आने वाले चुनाव में रंग लाएगा और कांग्रेस की सरकार बनाने में मददगार साबित होगा। लगातार हो रही ज्वाइनिंग और पार्टी के कार्यक्रमों को मिल रहे जनता के समर्थन से स्पष्ट है कि हरियाणा में कांग्रेस की लहर चल रही है। इसबार हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनना तय है। चौधरी उदयभान ने कहा कि 2 साल के भीतर बीजेपी, जेजेपी जैसे दलों से 45 विधायक और पूर्व विधायक कांग्रेस में शामिल हो चुके हैं। पार्टी का कुनबा लगातार विस्तार लेता जा रहा है और बीजेपी-जेजेपी की सियासी जमीन पूरी तरह खिसक चुकी है। अब जनता 1 अक्टूबर का बेसब्री से इंतजार कर रही है ताकि बीजेपी को हराकर भारी बहुमत के साथ कांग्रेस की सरकार बनाई जाए।

आज रामकरण काला और कुलदीप काकराण के साथ विजय यादव (उप-प्रधान आम आदमी पार्टी, गुरुग्राम), वीना चौधरी (चेयरमैन, नारी वेलफेयर सोसाइटी), तरसेम सिंह (चेयरमैन ब्लॉक समिति, शाहबाद), लाभ सिंह (उप-प्रधान ब्लॉक समिति) ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की।

साथ ही नछत्तर सिंह नैन (जिला उपप्रधान जेजेपी), सतीश कुमार मलिकपुर (जेजेपी हलका महासचिव), सरदार हरबक्श सिंह, कठुआ(जेजेपी हलका उपप्रधान), राजेश त्योड़ा (जेजेपी पूर्व प्रेदश उपाध्यक्ष), सरदार चरण सिंह झरोली (चेयरमैन अपैक्स), सुरेंद्र कश्यप (सदस्य ब्लॉक समिति), डॉ प्रवीन भोकर (सदस्य ब्लॉक समिति), सरदार संदीप सिंह (सदस्य ब्लॉक समिति), विनोद ढोला माजरा (सदस्य ब्लॉक समिति), सुरेंद्र त्योड़ा (जेजेपी प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य), धर्मपाल छपरा (सदस्य ब्लॉक समिति), डिम्पल हरिपुर (सदस्य ब्लॉक समिति), जसबीर सिंह (सदस्य ब्लॉक समिति), सरदार अमनदीप कंबोज (प्रधान, कंबोज सभा, शाहबाद), डॉ प्रवीन शर्मा (जेजेपी शहरी अध्यक्ष, शाहबाद), चौधरी सुखदीप सिंह (अध्यक्ष सरपंच एसोसिएशन, शाहबाद), सरदार अमरजीत सिंह (उपाध्यक्ष सरपंच एसोसिएशन, शाहबाद), कर्मबीर,सरपंच, सुनील कुमार (सरपंच, मलिकपुर), लाडी शर्मा (सरंपच मुगल माजरा), रामजस सिंह, (सरपंच थडौली), विष्णु भगवान गुप्ता (पूर्व सरपंच, कलसाना), सरदार रविंद्र सिंह विर्क (युवा जेजेपी, हलका अध्यक्ष), डॉ तरसेम सिंह (सरपंच,शांतिनगर), सरदार सतनाम सिंह(जलवी) बलजिंद्र सिंह (जन्देहड़ी, सरपंच), सरदार सतनाम सिंह, सरदार सुरेंद्र सिंह, सरदार चशमपाल सिंह गिल, सरदार तलविंद्र सिंह, रघवीर सिंह अजराना, मुखत्यार सिंह, जोगिंद्र सिंह, मास्टर गुरपाल सिंह माहला, बाला राम ढोला माजरा, राम सिंह, अभिषेक, मनीष नंबरदार, लक्षमण सिंह, लोकराज शर्मा, सुरेंद्र सिन्धी, पंकज गर्ग, जसबीर सिंह, अमरजीत सिंह, बजीर सिंह, अंग्रेज सिंह, नायीराम, सरदार गुरदीप सिंह, अमरीक सिंह, गौरव नंबरदार, गुरजिंद्र सिंह, बलदेव सिंह, कुशल शर्मा, राजेंद्र सिंह, अंकुर सिंह, बलकार सिंह, सुरेश जोनिया, रोशन लाल ठेकेदार, सुरेश कुमार ठेकेदार, सुरेश कुमार, कर्मा जोगी, शेर सिंह पाल, मिल्खीराम बिट्टू, सरदार सुरेंद्र पाल सिंह भी आज पार्टी में शामिल हुए। इससे पहले हुड्डा और चौ. उदयभान के नेतृत्व में पूर्व प्रदेश सूचना आयुक्त जय सिंह बिश्नोई, डॉ विजय दहिया (प्रदेश संयोजक, चिकित्सा प्रकोष्ठ, भाजपा हरियाणा), देवेंद्र लोहान (पूर्व प्रधान, जिला बार एसोसिएशन जींद), आशीष देशवाल (उप प्रधान जिला बार एसोसिएशन, जींद) ने भी अपने सैंकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस ज्वाइन की।

साथ ही रणधीर सिंह, रणधीर कुंडू, भूपेंद्र वर्मा, बलविंद्र सिंह, महबूब, राशिद, सतीश शर्मा, महिंद्र सिंह, बलदेव सिंह, धर्मबीर सिंह, दीपक कुमार, मोहन लाल, जयपाल, शाजिद, आसिफ, राशित, आसिफ अली, हाबिद अली, अबशेद अली, यामिन अली, रियासत अली, अफजल अली, आयून, महजद अली, बलविंद्र सिंह, जसवंत कुमार, जसबीर सिंह, सुखबीर, इस्लाम, ईलाम सिंह, कुनाल वर्मा, मनीष वर्मा, दिनेश, प्रशांत कुमार, अभिजीत, अर्जुन, संदीप शर्मा, संदीप, तुषार, केतन, अमरजीत सिंह, सतिंद्र , तरुण कुमार समेत सैंकड़ों नेता व कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का दामन थामा था।

हरियाणा में लगे पोस्टर में रो रहे सीएम सैनी और खट्टर

-बीजेपी ने बताया औछी राजनीति, पुलिस से करेंगे शिकायत

करनाल। हरियाणा विधानसभा चुनाव का ऐलान होते ही राज?य में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं और अब पार्टियां एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रही हैं। कुछ ऐसा ही करनाल जिले में लगे पोस?टरों में देखने को मिल रहा है। इनमें सीएम नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर को रोते हुए दिखाया गया है। करनाल में रामलीला मैदान के पास कुछ पोस्टर नजर आए, जिसमें सीएम नायब सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल की रोते हुए की तस्वीर छपी हुई है। ये पोस्टर बीजेपी के खिलाफ हैं। इन पोस?टरों में उन पर तंज और व्यं?य कसे गए हैं। इन पोस्टरों में दो अलग-अलग स्लोगन लिखे हैं और शहर के कई इलाके में चिपकाए गए हैं। पोस्टर पर लिखा है 'म्हारा हरियाणा, नॉन स्टॉप हरियाणा' उसके नीचे लिखा 'नॉन स्टॉप हरियाणा, महिला अत्याचार'. पोस्टर में लिखा है कि दस साल में 14,000 महिलाओं के साथ रेप हुए। वहीं दूसरे पोस्टर में लिखा है, हरियाणा में एक करोड़ युवा बेरोजगार हैं। इस मामले में सीएम नायब सैनी के ओएसडी ने कहा कि इस बारे पुलिस को बता दिया गया है। कार्रवाई की जाएगी। इसकी लिखित में भी शिकायत की जाएगी। हम देखेंगे कि कौन इस तरह की औछी राजनीति कर रहा है। बीजेपी पॉजिटिव राजनीति करती है। पिछले दस साल में हम कई योजनाएं लोगों के लिए लाए। हमारी सरकार महिलाओं और बेटियों का सम्मान करती है। विपक्षी पार्टियों ने लोकसभा चुनाव में भी झूठ कहा, झूठा प्रचार किया।

हरियाणा में क्या समय से पहले भंग होगी विधानसभा या लगेगा राष्ट्रपति शासन ?

चंडीगढ़। हरियाणा की मौजूदा सरकार का कार्यकाल 3 नवंबर को समाप्त हो रहा है, लेकिन चुनाव आयोग की ओर से इस बार समय से पहले 1 अक्टूबर को मतदान और 4 अक्टूबर को मतगणना करवाने का ऐलान किया गया है। ऐसे में जहां हरियाणा में इस बार समय से पहले नई सरकार का गठन हो जाएगा।

वहीं, मौजूदा सरकार के अंतिम मानसून सत्र को लेकर भी जनता के मन में कईं प्रकार के सवाल उठ रहे हैं। मसलन की क्या सरकार अपना अंतिम मानसून सत्र बुलाएगी, क्योंकि पिछला सत्र 13 मार्च को बुलाया गया था। ऐसे में छह महीने से पहले यानि 12 सितंबर से पहले सरकार को विधानसभा का सत्र बुलाना पड़ेगा। क्या सरकार सत्र ना बुलाकर समय से पहले ही विधानसभा को भंग कर देगी या फिर हरियाणा में राष्ट्रपति शासन लगेगा ? अपने दर्शकों और पाठकों के लिए हमने इन सभी सवालों के जवाब तलाशने की कोशिश की और उसे आप तक पहुंचा भी रहे हैं।

इसे लेकर हमने हरियाणा विधानसभा के पूर्व स्पेशल सचिव और संविधान के जानकार राम नारायण यादव से खास बातचीत की। आप भी जानिए कि हरियाणा के मौजूदा राजनीतिक हालात में सरकार के पास क्या विकल्प है और सरकार क्या कुछ कदम उठा सकती है ?

6 महीने के भीतर बुलाना होगा सत्र

संविधान के जानकार रामनारायण यादव की माने तो किसी भी विधानसभा में एक सत्र से अगले सत्र के अधिकतम समय में 6 महीने का अंतर नहीं होना चाहिए, बल्कि दूसरा सत्र 6 महीने के भीतर ही बुलाना पड़ेगा। हरियाणा में विधानसभा का पिछला सत्र 13 मार्च को बुलाया गया था। इसलिए मौजूदा सरकार को 12 सितंबर से पहले विधानसभा का सत्र बुलाना ही पड़ेगा। ऐसा नहीं होने पर सरकार संविधान के अनुसार काम करती हुई नहीं मानी जाएगी।

सरकार के पास केवल 2 विकल्प

रामनायारण यादव बताते हैं कि हरियाणा में राजनीति के मौजूदा हालात को देखे तो ऐसे में सरकार के पास केवल 2 ही विकल्प बचते है। इनमें सरकार चाहे तो एक दिन के लिए भी विधानसभा का सत्र बुला सकती है। इसके लिए सरकार को कोई 15 दिन पहले सूचना देने का कोई प्रावधान नहीं है। सरकार चाहे तो 24 घंटे के नोटिस पर भी एक दिन का विधानसभा सत्र बुला सकती है। यदि सरकार 12 सितंबर से पहले विधानसभा का सत्र नहीं बुलाती है तो उस सूरत में सरकार को विधानसभा भंग करनी पड़ेगी और एक कार्यवाहक सरकार के रूप में कार्य करना होगा।

...लग जाएगा राष्ट्रपति शासन

उन्होंने बताया कि हरियाणा के मौजूदा राजनीतिक हालात को देखते हुए यदि सरकार ना तो विधानसभा का सत्र बुलाती है और ना ही विधानसभा को भंग करती है तो इस सूरत में धारा 356 लागू मानी जाएगी। इन हालात में सरकार की सभी शक्तियां राज्यपाल के पास चली जाएगी और हरियाणा में राष्ट्रपति शासन लग जाएगा।

नई सरकार बनने पर भी पुरानी सरकार बुला सकती है सेशन !

राम नारायण यादव बताते हैं कि भारतीय संविधान में विधानसभा सेशन को लेकर एक और प्रावधान है, जिसमें नई विधानसभा यानि नई सरकार बनने के बावजूद पुरानी सरकार भी विधानसभा का सेशन बुला सकती है, जिसे लेम डक सेशन कहते हैं। हरियाणा में चूंकि सरकार के पास विधानसभा सत्र बुलाने के लिए केवल 12 सितंबर तक का ही समय है तो ऐसे में सरकार के पास लेम डक सेशन बुलाने का अब समय नहीं है।

हालांकि 152 और 1956 में इस प्रकार से सेशन बुलाए जा चुके हैं। लेम डक सेशन का

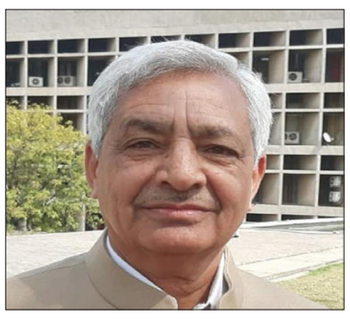

मतलब यह होता है कि जब किसी राज्य में नई विधानसभा का गठन हो जाए और पुरानी सरकार का कार्यकाल बकाया हो और उनका विधानसभा सेशन भी ड्यू हो तो वह लेम डक सेशन बुला सकती है। हालांकि हरियाणा में मौजूदा हालात में ऐसा नहीं हो सकता है। इसलिए अब सबकी नजरें सरकार की ओर से उठाए जाने वाले कदम पर लगी है, क्योंकि सेशन को लेकर सरकार की ओर से लिए जाने वाले फैसले के बाद ही आगे की तस्वीर साफ हो पाएगी।

विराट कोहली को लेकर पीयूष चावला ने किया बड़ा खुलासा, कहा- विराट आज भी बिल्कुल वैसे...

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अक्सर चर्चा में रहते हैं। वहीं कई दिग्गज उनके बारे में कह चुके हैं कि वो समय के साथ बदल गए हैं। युवराज सिंह ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि पहले का विराट कोहली चीकू था और अब चीकू है ही नहीं। वहीं अमित मिश्रा ने तो यहां तक कह दिया था कि सफलता विराट के सिर चढ़ गई थी, और वह बिल्कुल बदल गए। लेकिन पूर्व स्पिनर पीयूष चावला ने कोहली के बारे में बड़ा खुलासा करते हैं सबको चौंका दिया है।

दरअसल, पीयूष चावला का एक पुराना इंटरव्यू फिर से वायरल हो रहा है। जिसमें वह कहते हुए दिख रहे हैं कि विराट कोहली पिछले 10-15 सालों में कोई बदलाव नहीं आया है। 2 स्लॉगर्स पॉडकास्ट पर जब पीयूष से पूछा गया था, कि आप हमें ये बताइए कि विराट कोहली क्यों बदल गए है?

तो इस पर चावला कहते हैं कि मैं तो जितना भी विराट से मिला हूं, जितना भी उनके साथ खेला हूं मेरा बहुत अच्छा अनुभव रहा है। हम लोग जूनियर क्रिकेट साथ खेले हैं और उसके बाद आईपीएल में खेले, टीम इंडिया के लिए साथ खेले हैं। मेरे साथ यही चीज है... देखिए हर किसी का अपना- अपना सोचना होता है, मेरे साथ जितनी भी बातचीत हुई है, हम अभी भी जब मिलते हैं तो बहुत अच्छे से मिलते हैं।

पीयूष चावला ने आगे कहा कि, वो जब एशिया कप में खेल रहे थे, और मैं कॉमेंट्री कर रहा था, मैं बाउंड्री के पास खड़ा हुआ था। इनिंग के बाद जो शो करना होता है, उसके लिए तो वहां पर वो आया और कहा पीसी यार चल कुछ अच्छा सा ऑर्डर करते हैं। क्योंकि हम दोनों ही खाने के बहुत शौकीन हैं, तो इस तरह से आज भी वैसे ही बातचीत होती है। जैसी आज से 10 साल या 15 साल पहले होती थी। पीयूष चावला का ये इंटरव्यू काफी पुराना है, लेकिन इस इंटरव्यू का ये हिस्सा फिलहाल काफी वायरल हो रहा है।

सुमित अंतिल को नीरज चोपड़ा की सलाह, पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाले एथलीट नीरज चोपड़ा ने सुमित अंतिल को सलाह दी है कि पेरिस पैरालंपिक में कुछ नया करने का प्रयास मत करना। अंतिल ने पेरिस पैरालिंपिक से पहले नीरज की सलाह साझा करते हुए कहा, 'नीरज भाई कहते हैं कि मुझे कुछ भी नया करने का प्रयास नहीं करना और बस शांत, धैर्यता से अपनी तैयारी पर भरोसा करना चाहिए।% अंतिल का मानना है कि आत्मविश्वास के बावजूद भाला कभी भी चोट पहुंचा सकता है। उन्होंने कहा कि उनकी पीठ में चोट है, उन्हें पेरिस में प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ठीक होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हम इस बार चोट से बचने को लेकर बहुत सतक हैं। चोटिल होने पर यह थ्रो को प्रभावित करता है। अभी मुझे पीठ में मामूली खिंचाव है और मैं नहीं चाहता कि यह मेरे प्रदर्शन को प्रभावित करे। इसके अलावा मेरी तैयारी अच्छी चल रही है और मैं अच्छा प्रदर्शन कर पदक के साथ स्वदेश लौटने का प्रयास करूंगा। आगामी 28 अगस्त से आठ सितंबर तक चलने वाले पैरालिंपिक खेलों में भारतीय दल के ध्वजवाहक में से एक अंतिल ने साई मीडिया से बातचीत में कहा कि वह पेरिस ओलंपिक मे भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा से प्रेरित हैं। उल्लेखनीय है कि हरियाणा के इस भाला फेंक एथलीट अंतिल ने टोक्यो में अपनी स्पर्धा में तीन बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है और एफ-64 श्रेणी में 68.55 मीटर के दूर भाला फेंक कर स्वर्ण पदक जीता था। सोनीपत के 26 वर्षीय स्पोर्ट्स हीरो अंतिल ने 2015 में एक दुर्घटना में अपना बायां पैर खो दिया था।

जय शाह बन सकते हैं अगले आईसीसी चेयरमैन

-30 नवंबर को समाप्त हो रहा बार्कले का कार्यकाल

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह के अगले आईसीसी चेयरमैन बनने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इसका कारण है कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन न्यूजीलैंड के ग्रेग बार्कले का कार्यकाल इसी साल 30 नवंबर को समाप्त हो रहा है। वहीं बार्कले तीसरे कार्यकाल की दौड़ से अलग हो गये हैं। ऐसे में जय शाह के इस पद पर आने की अटकलें हैं। शाह इस पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करेंगे या नहीं यह 27 अगस्त तक तय होगा। ये चेयरमैन पद के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख है। आईसीसी चेयरमैन के दो-दो साल के तीन कार्यकाल होते हैं और बार्कले के ये साल पूरे हो गये हैं।

आईसीसी ने कहा, ''बार्कले ने बोर्ड से कह दिया है कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए तैयार नहीं हैं। नवंबर के अंत में अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वह पद छोड़ देंगे। बार्कले को नवंबर 2020 में आईसीसी चेयरमैन के पद पर नियुक्त किया गया था। उन्हें 2022 में फिर से इस पद पर चुना गया।'' आईसीसी के नियमों के अनुसार चेयरमैन के चुनाव में 16 वोट होते हैं और अब विजेता के लिए नौ मत का साधारण बहुमत (51फीसदी) आवश्यक है। इससे पहले चेयरमैन बनने के लिए निवर्तमान के पास दो-तिहाई बहुमत होना आवश्यक था। आईसीसी ने कहा, ''मौजूदा निदेशकों को अब 27 अगस्त 2024 तक अगले अध्यक्ष के लिए नामांकन प्रस्तुत करना होगा। यदि एक से अधिक उम्मीदवार हैं तो चुनाव होगा और नए चेयरमैन का कार्यकाल एक दिसंबर 2024 से शुरू होगा।'' जय आईसीसी के बोर्ड में सबसे प्रभावशाली सदस्यों में शामिल हैं। वह अभी आईसीसी की शक्तिशाली वित्त और वाणिज्यिक मामलों की उप समिति के प्रमुख हैं।

पूर्व बल्लेबाजी कोच बोले, रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी

-मैच को लेकर अपनी रणनीति नहीं भूलते

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह मैच को लेकर बनायी रणनीति नहीं भूलते। फिर चाहे वह ये भूल जाएं की टॉस के समय उन्होंने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था या गेंदबाजी का। राठौड़ के अनुसार रोहित की नेतृत्व क्षमता काफी अच्छी है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं।

राठौड़ ने कहा कि वह कोई अन्य बात भूल जाता है पर अपनी योजना कभी नहीं भूलता। उन्होंने 29 जून को बारबाडोस में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए टी20 विश्व कप फाइनल में रोहित के रणनीतिक फैसलों को भी याद करते हुए कहा कि उन्होंने जसप्रीत बुमराह को ओवर तेजी से फेंकने को कहा और इसका लाभ टीम को मिला। राठौड़ ने कहा कि वह एक कप्तान के रूप में सामरिक रूप से बहुत अच्छे हैं। टी20 विश्व कप फाइनल में उन्होंने बुमराह का ओवर जल्दी खत्म कर दिया था। बहुत से लोगों ने उस फैसले पर सवाल उठाए होंगे लेकिन उस फैसले ने हमें उस स्थिति में डाल दिया, जहां आखिरी ओवर में 16 रन की जरूरत थी। मैदान पर उनके लिए कई फैसले आमतौर पर सटीक होते हैं।

राठौड़ जोकि सीनियर पुरुष चयन समिति के सदस्य भी रह चुके हैं, ने स्वीकार किया कि उन्हें अभी तक ऐसा कोई कप्तान नहीं मिला है जो रोहित की तरह खेल में ली हो। उन्होंने कहा कि उनकी पहली खूबी यह है कि एक बल्लेबाज के रूप में वह एक असाधारण खिलाड़ी हैं। मुझे लगता है कि वह ऐसा व्यक्ति है जो अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उनके पास हमेशा एक स्पष्ट रणनीति होती है। एक नेता के रूप में भी आपको आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। राठौर ने कहा कि वह एक खिलाड़ी के कप्तान हैं। किसी कप्तान को मैंने टीम बैठक या रणनीति में इतना शामिल होता नहीं देखा जितना उन्हें देखा है। वह टीम की रणनीति पर काफी समय बिताते हैं। वह गेंदबाजों की बैठक, बल्लेबाजों की बैठक का हिस्सा रहते हैं। वह खिलाड़ियों के साथ समय बताते हैं और इस दौरान बताते हैं कि किससे उन्हें क्या चाहिये।

श्रीजेश को 2 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार देगी केरल सरकार

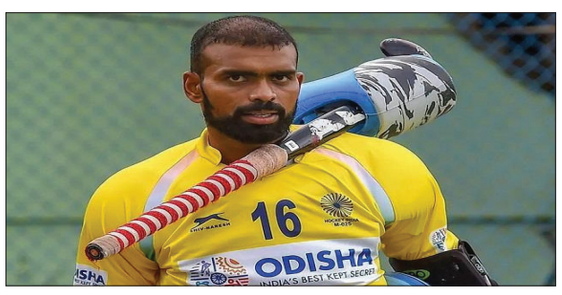

तिरुवनंतपुरम । केरल सरकार ने बुधवार को भारतीय हॉकी के दिग्गज गोलकीपर और पेरिस ओलंपिक में टीम को लगातार दूसरा पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले पीआर श्रीजेश के लिए दो करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया। इसमें कहा गया, 'पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे पी आर श्रीजेश को दो करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।' श्रीजेश ने पेरिस ओलंपिक के बाद खेल से संन्यास ले लिया था।

मनु ने सम्मान समारोह में बच्चों के साथ किया डांस

चेन्नई । पेरिस ओलंपिक निशानेबाजी में दो पदक जीतने वाली मनु भाकर अब अपने डांस के कारण छायी हुई हैं। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वायरल वीडियो में मनु को एक सम्मान समारोह के दौरान कुछ स्कूली बच्चों के साथ बार-बार देखो फिल्म के मशहूर गाने काला चश्मा पर थिरकते देखा गया। वह इस गाने पर बच्चों के साथ ताल से ताल मिलाते नजर आ रही हैं। मनु ने ओलंपिक के एक ही सत्र दो व्यक्तिगत पदक जीतकर रिकार्ड बनाया था। वह इसके बाद से ही बेहद लोकप्रिय हो गयी हैं। चेन्नई के एक स्कूल में हुए सम्मान समारोह में मनु ने कहा, टोक्यो ओलंपिक से असफल लौटने के बाद मेरे लिए फिर से आत्मविश्वास हासिल करना बहुत कठिन था। मैं दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी थी, लेकिन मैंने इसमें अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने साथ ही कहा, मुझे हारने और फिर जीतने का स्वाद पता है। यही तो खेलों की खूबसूरती है। एक प्रतियोगिता आप हारते हैं, तो आप दूसरी जीत सकते हैं। लेकिन, यह तभी होगा जब आप कड़ी मेहनत करेंगे। युवा छात्रों से करियर के विकल्प के रूप में खेल को अपनाने को लेकर इस निशानेबाज ने बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें बहुत मेहनत और प्रयास करना चाहिए। हमारे पास करियर के लिए कई विकल्प हैं। आपको डॉक्टर या इंजीनियर ही बनने की जरूरत नहीं है। खेलों को भी चुन सकते हैं।

फिर रिंग में उतरेंगे टायसन

न्यूयॉर्क । पूर्व हैवीवेट चैम्पियन माइक टायसन एक बार फिर रिंग में उतरना चाहते हैं। 58 साल के टायसन पिछले काफी समय से बीमार हैं इस कारण वह बार बार रिंग में अपनी वापसी को टालते रहे हैं। इस बार वह अपने कदम वापसी खींचने के लिए तैयार नहीं हैं हालांकि इससे उनकी जान जरुर खतरे में पड़ सकती है। टायसन को इस बार जैक पॉल से मुकाबला करना है। वहीं जब इस मुक्केबाज से पूछा गया है कि स्वास्थ ठीक नहीं होने के बाद भी वह अपने को खतरे में क्यों डाल रहे हैं तो इस पूर्व विजेता ने कहा कि केवल मैं ही ऐसा कर सकता हूं काई और नहीं । कोई भी इस प्रकार के जोखिम नहीं उठाना चाहेगा पर मुझे ये अच्छे लगते हैं। मेरे अलावा कोई रिंग में उतरने तैयार भी नहीं होगा। इस दौरान टायसन के प्रशंसकों ने उसके समर्थन में नारे लगाए जबकि विरोधी पॉल का मजाक उड़ाया। टायसन और पॉल के बीच की यह मुकाबला पहले 20 जुलाई को होना था पर तब टायसन को अल्सर की समस्या होने के कारण इसे टाल दिया गया था। यह मुकाबला अब 15 नवंबर को टेक्सास के आर्लिंगटन में होगा। टायसन ने कहा कि अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और उन्होंने दो या तीन सप्ताह पहले अभ्यास शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैं इस मुकाबले के लिए तैयार हूं।

जहीर खान बन सकते हैं लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर, 2 और टीमें कर रही संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। गौतम गंभीर के भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच बनने के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स अपने कोचिंग सेटअप में जहीर खान को जोड़ना चाह रही। ऐसा माना जा रहा है कि दो अन्य फ्रेंचाइजी भी जहीर को टीम में शामिल करने के लिए इच्छुक थीं, जो हाल ही मुंबई इंडियंस में वैश्विक विकास के प्रमुख थे इससे पहले वह 2018-2022 तक फ्रेंचाइजी के क्रिकेट डायरेक्ट थे।

पिछले साल के आखिर में गौतम गंभीर के जाने के बाद से लखनऊ सुपर जायंट्स बिना किसी मेंटर के है। गंभीर, जो उस सपोर्ट ग्रुप का हिस्सा थे जिसने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को अपना तीसरा आईपीएल खिताब दिलाने में मदद की थी। इसके बाद वो भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच बन गए हैं।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल, जो एलएसजी के गेंदबाजी कोच थे, अब उसी भूमिका में भारतीय टीम में शामिल हो गए हैं।

मेंटर की भूमिका के अलावा, लखनऊ सुपर जायंट्स जहीर को और बड़ी भूमिका देना चाहती है। ऑफ सीजन के दौरान टैलेंट स्काउटिंग और खिलाड़ी विकास कार्यक्रम में भी वो शामिल हो सकते हैं। लखनऊ के बैकरूम का नेतृत्व वर्तमान में जस्टिन लैंगर कर रहे हैं। जिन्होंने आईपीएल 2024 से पहले एंडी फ्लावर की जगह मुख्य कोच के रूप में काम किया है, उनके सहायक के रूप में लांसस क्लूजनर और एडम वोजेस हैं। अपने पहले दो सीजन में प्लेऑफ बर्थ हासिल करने के बाद, केएल राहुल की अगुवाई वाली टीम 2024 में टॉप चार में जगह बनाने के लिए नेट रन रेट पर पिछड़ गई।

रौनक दहिया ने अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में जीता कांस्य पदक

अम्मान (जॉर्डन)। भारत के रौनक दहिया ने यहां चल रही अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में ग्रीको रोमन शैली के 110 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। अपने आयु वर्ग की रैंकिंग में दूसरे नंबर पर काबिज रौनक ने कांस्य पदक के प्लेऑफ में तुर्की के इमरुल्लाह कैपकन को आसानी से 6-1 से हराया। यह मौजूद चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक है। इससे पहले रौनक सेमीफाइनल में हंगरी के रजत पदक विजेता ज़ोल्टन कजाको से हार गए थे। इस वर्ग में स्वर्ण पदक यूक्रेन के इवान यानकोवस्की ने जीता, जिन्होंने तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर कजाको को 13-4 से हराया। भारत के पास 51 किग्रा रेपेचेज में दूसरा पदक जीतने का मौका है लेकिन इसके लिए साईनाथ पारधी को दो मुकाबले जीतने होंगे। उनका पहला मुकाबला अमेरिका के डोमिनिक माइकल मुनारेटो से होगा। अगर वह यह मुकाबला जीत जाते हैं तो उन्हें कांस्य पदक के लिए आर्मेनिया के सर्गिस हारुत्युनन और जॉर्जिया के इउरी चैपिडेज़ के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ना होगा।

महिला टी20 विश्वकप अब यूएई में खेला जाएगा : आईसीसी

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि बांग्लादेश में खराब हालातों को देखते हुए वहां अक्टूबर में में होने वाला आईसीसी महिला टी20 विश्वकप 2024 अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। महिला टी20 विश्व कप का आयोजन 3 से 20 अक्टूबर तक होगा। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ' महिला विश्वप का नौवां संस्करण अब यूएईमें खेला जाएगा हालांकि इसका मेजबान अब भी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ही रहेगा। महिला टी20 विश्व कप 2024 के मैच यूएई के दो स्थानों दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। इसी को इसको लेकर आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, 'बांग्लादेश में महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी न करना हमारे लिए खेद की बात पर क्योंकि हम जानते हैं कि बीसीबी इसका सफल आयोजन करता पर देश के बदले हुए हालातों में ये संभव नहीं था।' 'साथ ही कहा कि मैं बीसीबी की टीम को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने इस आयोजन को बांग्लादेश में आयोजित करने के लिए सभी संभव प्रयास किये और सुरक्षा के लिए सेना प्रमुख को भी लिखा पर कोई परिणाम नहीं निकलने पर तटस्थ स्थल का विकल्प अपनाया। देश के हालातों को देखते हुए भाग लेने वाली टीमों की सरकारों अपनी टीम भेजने को तैयार नहीं थीं। हम निकट भविष्य में बांग्लादेश में हालात ठीक होने पर वैश्विक आयोजन कराना चाहेंगे।.' आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 में कुल 10 टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड भाग लेंगी।

भारतीय पैरालंपिक एथलीटों का पहला दल हुआ पेरिस रवाना

नई दिल्ली। भारतीय पैरा-एथलीटों और अधिकारियों का पहला दल पेरिस पैरालंपिक 2024 की तैयारी के लिए फ्रांस के लिए रवाना हो गया है। इस दल में चार पैरा-एथलीट शामिल हैं जो विभिन्न एथलेटिक स्पर्धाओं में प्रदर्शन करेंगे। इन एथलीटों में प्रीति पाल (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), सिमरन (टी12 एथलेटिक्स श्रेणी), मोहम्मद यासर (एफ46 शॉट पुट), रवि रंगोली (पुरुष शॉट पुट एफ40) शामिल हैं। एथलीटों के साथ पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण और भारतीय पैरालंपिक समिति के मुख्यकार्यकारी राहुल स्वामी भी हैं। इससे दल को पेरिस में स्थानीय परिस्थितियों और मौसम के अनुकूल ढलने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता मिलेगी। इस बार 84 एथलीटों का भारतीय दल 12 स्पर्धाओं में हिस्सा लेगा। यह अब तक सबसे बड़ा दल है। पैरा एथलेटिक्स के मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा, 'हमारे एथलीटों ने अपने प्रशिक्षण के दौरान बहुत परिश्रम किया है। समय पूर्व वहां पहुंचकर पेरिस की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना हमारी रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें भरोसा है कि यह तैयारी हमें प्रतियोगिता में बढ़त दिलाएगी।' पीसीआई के मुख्य कार्यकारी राहुल स्वामी ने कहा, 'पैरालिंपिक हमारे एथलीटों की ताकत और प्रदर्शन करने एक महत्वपूर्ण अवसर है। हमें भरोसा है कि पेरिस में यह तैयारी का चरण उन्हें खेलों की शुरुआत में अपने चरम पर प्रदर्शन करने में सक्षम बनाएगा।' कोबे एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली सिमरन ने कहा, 'मुझे पेरिस पैरालिंपिक में अपने कोबे चैंपियनशिप के प्रदर्शन को दोहराने का भरोसा है। तैयारी बहुत अच्छी रही है और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए तैयार हूं।'

ऑस्ट्रेलिया के लिए एशेज के समान महत्वपूर्ण है बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी: स्टार्क

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का मानना है कि भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में तीन दशक में पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे जिससे यह श्रृंखला उनकी टीम के लिए प्रतिष्ठित एशेज के समान महत्वपूर्ण हो गई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच नवंबर में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण श्रृंखला में 1991-92 के बाद पहली बार पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। स्टार्क ने कहा, 'इस बार यह पांच मैच की श्रृंखला होगी जिससे यह एशेज श्रृंखला के समान महत्वपूर्ण हो गई है।' ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाया है जबकि भारत ने इस बीच लगातार चार श्रृंखला जीती हैं। भारत ने इस दौरान दो बार 2018-19 और 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। स्टार्क न केवल श्रृंखला जीतने का इरादा रखते हैं, बल्कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम क्लीन स्वीप करे, विशेष कर तब जबकि यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा है।

भारत की टीम काफी मजबूत है

उन्होंने कहा, 'हम अपनी घरेलू धरती पर प्रत्येक मैच में जीत हासिल करना चाहते हैं और हम यह भी जानते हैं कि भारत की टीम काफी मजबूत है।' भारत विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में अभी पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। स्टार्क ने कहा, 'भारत और ऑस्ट्रेलिया अभी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज हैं। इसलिए प्रशंसकों और निश्चित रूप से खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही रोमांचक श्रृंखला होने वाली है। उम्मीद है कि आठ जनवरी को ट्रॉफी हमारे हाथ में होगी।'

संन्यास पर बोले स्टार्क

स्टार्क 100 टेस्ट मैच खेलने से केवल 11 मैच दूर हैं और बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज का अभी लंबी अवधि के प्रारूप से संन्यास लेने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे बैगी ग्रीन कैप पहनने का मौका मिलता है तो यह बहुत खास लगता है। उम्मीद है कि गर्मियों के सत्र में हम पांचो टेस्ट मैच जीतने में सफल रहेंगे। जहां तक 100 टेस्ट मैच खेलने का सवाल है तो निश्चित तौर पर यह बहुत खास होगा।'

टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता

स्टार्क अगले महीने सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाएंगे और इसके बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी के लिए न्यू साउथ वेल्स की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए टेस्ट क्रिकेट हमेशा प्राथमिकता में रहा है। आगामी सत्र में हमें सात टेस्ट मैच खेलने हैं। इनमें से पांच भारत और दो श्रीलंका के खिलाफ होंगे। हमारे लिए ये मैच प्राथमिकता में हैं। हम सभी अभी भारत के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए तैयारी कर रहे हैं।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011